श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 18 ग्वालियर, बुधवार 19 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली किया संबोधित

किसानों की आय बढ़ाने कृषि के साथ-साथ पशुपालन और उद्यानिकी को दे रहे बढ़ावा

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कृषि के साथ पशुपालन और उद्यानिकी को भी बढ़ावा दे रही है। किसान अब परंपरागत खेती के साथ पशुपालन और उद्यानिकी गतिविधियों से अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। गुना जिले की धनिया और गुलाब उत्पादन के क्षेत्र में विशेष पहचान है। कुंभराज धनिया को जल्द ही जीआई टैग मिलने की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास से गुना कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्यानिकी का रकबा 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर सरकार का जोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र में भी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बदलते समय के अनुसार पशु नस्ल सुधार और डेयरी विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति मिलने से कृषि कार्य आसान हुआ है और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर में मां शारदा देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की।

युवाओं को कृषि और डेयरी से जोड़ने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। उन्नत गोपालन और डेयरी विकास के क्षेत्र में युवा बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं। उन्होंने किसानों से सामाजिक कुरीतियों को छोड़ने, विवाह एवं अन्य आयोजनों में अनावश्यक खर्च कम करने, कृषि भूमि नहीं बेचने और बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील : गुना विधायक श्री पन्नालाल शाक्य ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने किसानों से स्वदेशी तकनीक अपनाकर प्राकृतिक खेती करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस धरती से हमें अन्न प्राप्त होता है, उसके प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए।

विधायक चाचौड़ा श्रीमती प्रियंका पेंची ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच रहा है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लोगों का जीवन आसान हो रहा है।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी में योजनाओं की दी जानकारी : बलराम कृषि महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा कृषि और जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी ली।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां : कार्यक्रम के प्रारंभ में कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, प्राकृतिक खेती और कृषि उपयोगी विषयों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड जिले में ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई दुर्घटना में जनहानि होने पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिजन के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुर्घटना में घायलों का बेहतर उपचार और परिजन से संपर्क कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

कैलारस-सबलगढ़-वीरपुर रेलखंड का उद्घाटन, ग्वालियर-कैलारस मेमू ट्रेन का वीरपुर तक विस्तार

प्रदेश को मिल रही हैं महत्वपूर्ण रेल सौगातें : डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने अभूतपूर्व प्रगति की है। मध्यप्रदेश को लगातार रेल परियोजनाओं की सौगात मिल रही है। प्रदेश में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इंदौर-मनमाड करीब 18 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली रेल परियोजना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे मालवा और चंबल क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कैलारस-सबलगढ़-वीरपुर रेलखंड के उद्घाटन और ग्वालियर-कैलारस मेमू ट्रेन के वीरपुर स्टेशन तक विस्तार कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रेलवे और ग्वालियर का पुराना और गहरा संबंध रहा है। नई रेल सुविधाओं से ग्वालियर-चंबल अंचल के विकास को नई दिशा मिलेगी।

औद्योगिक विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर कनेक्टिविटी जरूरी है। ग्वालियर अंचल में बैटरी स्टोरेज परियोजना, फुटवियर क्लस्टर और हाइड्रोजन निर्माण इकाई जैसी योजनाओं से युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे देश में सबसे सुलभ और किफायती परिवहन माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 तक देश में रेलवे विद्युतीकरण करीब 30 प्रतिशत था, जो प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बढ़कर 70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। मध्यप्रदेश में एक साथ कई रेल लाइनों के विस्तार का काम तेजी से चल रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सबके साथ और विश्वास से 56 किलोमीटर लंबे कैलारस-सबलगढ़-वीरपुर रेलखंड का शुभारंभ हुआ है।

उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मध्यप्रदेश की पहल को किया साझा

आईसीएआर की वार्षिक बैठक में शामिल हुए मंत्री कुशवाह

भोपाल जीएनएस

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह नई दिल्ली में आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सोसाइटी की 97वीं वार्षिक आम बैठक में शामिल हुए। श्री सुब्रमण्यम सभागार, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, पूसा में आयोजित बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की।

किसानों की आय बढ़ाने में उद्यानिकी को बताया अहम : बैठक में मंत्री श्री कुशवाह ने मध्यप्रदेश में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में प्रदेश की पहल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बदलती कृषि परिस्थितियों में उद्यानिकी फसलों का विस्तार किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में फल, सब्जी, मसाला और पुष्प उत्पादन के साथ खाद्य प्रसंस्करण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि अनुसंधान संस्थानों की तकनीक और नवाचारों को खेतों तक पहुंचाकर किसानों को बेहतर उत्पादन, मूल्य संवर्धन और बाजार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर : मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का काम किया जा रहा है। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक, अनुसंधान और नवाचारों का लाभ पहुंचाना आवश्यक है। बैठक में विभिन्न राज्यों के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों के मंत्री भी शामिल हुए। इस दौरान कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

4 अगस्त को मिली कवच योजना को मंजूरी

किसानों की मेहनत का सम्मान बनाये रखने ढ़ाल है कवच योजना

भोपाल, जीएनएस। अन्नदाता किसान हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए किसान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए खेत से बाजार तक कृषि मूल्य संवर्धन श्रृंखला को सुदृढ़ करने, सिंचाई क्षमता बढ़ाने, आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीक सहित प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहन और संस्थागत वित्त की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में निरंतर काम हो रहा है। किसानों के हित में 'कवच योजना' राज्य सरकार की एक बड़ी पहल है। किसान की मेहनत का सम्मान हो, उनकी खेती-किसानी मजबूत हो और उसे आर्थिक सुरक्षा का भरोसा भी मिले, 'कवच योजना' इसी संकल्प को धरातल पर उतारने वाला कदम है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित किसानों को राहत देने के साथ उन्हें फिर से सहकारी बैंकिंग प्रणाली एवं ऋण व्यवस्था की मुख्यधारा में लाना है, ताकि वे अपनी कृषि गतिविधियों को निर्बाध रूप से आगे बढ़ा सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसान कल्याण वर्ष (2026) में लिया गया यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश के उन हजारों किसानों के लिए नई उम्मीद की तरह है, जिनके लिए लंबित जांच के कारण नये ऋण प्राप्ति का रास्ता बाधित हो गया था। अब 'कवच योजना' उनके लिए आर्थिक गतिविधियों को पुनः गति देने और संस्थागत वित्त व्यवस्था से फिर से जुड़ने का माध्यम भी बनेगी।

योजना को कब मिली मंजूरी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में 4 अगस्त 2026 को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में किसान हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सहकारिता विभाग की 'कवच योजना' को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। किसानों की आमदनी बढ़ाना, उनका सम्मान एवं आर्थिक सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में है।

किन्हें मिलेगा लाभ: कवच योजना से सहकारी समितियों से जुड़े ऐसे लगभग 5 हजार किसान लाभान्वित होंगे, जिनके ऋण खातों में हुई गड़बड़ियों की जांच लंबित रहने के कारण वे शासकीय योजनाओं और नई ऋण सुविधा का लाभ नहीं ले पा रहे थे। सरकार किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी प्रक्रिया अथवा जांच के लंबित रहने का प्रतिकूल प्रभाव किसान की खेती और आजीविका पर अनिश्चितकाल तक न पड़े। इसी भावना के अनुरूप 'कवच योजना' के जरिए प्रभावित किसानों को पुनः मुख्यधारा में लाकर उन्हें संस्थागत ऋण व्यवस्था से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। योजना के अंतर्गत प्रभावित किसानों को नया ऋण उपलब्ध कराने का रास्ता बनाया जाएगा। इसके लिए अपेक्स बैंक और जिला सहकारी बैंक अपने स्तर पर 50 करोड़ रुपये की सीमा तक विशेष निधि का निर्माण करेंगे। किसान हित में राज्य सरकार द्वारा 25 करोड़ रुपये की एकमुश्त अंशपूंजी सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया है।

योजना का उद्देश्य

राज्य सरकार की किसान कल्याण नीति का मूल उद्देश्य किसान को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उसकी मेहनत को सुरक्षित वित्तीय आधार उपलब्ध कराना है। सरकार का प्रयास है कि किसान को समय पर ऋण, कृषि आदान और उनके हित की सभी योजनाओं का लाभ मिले, ताकि खेती-किसानी की गतिविधियां कतई बाधित न हों। यह योजना संस्थागत कृषि ऋण किसान की खेती के लिए महत्वपूर्ण आधार है। समय पर ऋण उपलब्ध होने से किसान बीज, खाद, कृषि यंत्र, सिंचाई तथा अन्य आवश्यक कृषि गतिविधियों के लिए आवश्यक पूंजी की व्यवस्था कर सकता है। इससे किसानों को महंगे कर्ज पर निर्भरता से बचाने में भी मदद मिलती है। किसान कल्याण वर्ष-2026 में किसानों के जीवन में खुशहाली लाने और उनके घरों में समृद्धि लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सभी प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय कृषि के आदि पुरूष, भूमि पुत्र और हलधर भगवान बलराम किसानों के आदि देवता हैं। अन्नदाता किसानों के सम्मान में राज्य सरकार के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाया जा रहा है। यह महोत्सव 15 जुलाई से प्रारंभ हो गया है, जो 13 नवम्बर 2026 तक चलेगा। कुल 122 दिन के इस बलराम कृषि महोत्सव में प्रदेश की सभी कृषि उपज मंडी परिसरों में विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों से संवाद किया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को नई-नई तकनीक के बारे में गाइड कर रहे हैं। खेती को लाभ का धंधा और एक टिकाऊ व्यवसाय के रूप में विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। बलराम कृषि महोत्सव के दौरान किसानों को जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई, मौसम आधारित सलाह, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, ड्रोन तकनीक और फसल विविधिकरण के लिए जागरूक किया जा रहा है। अन्नदाताओं को ऊजादाता बनाने के लिए सोलर पम्प कनेक्शन लेने तथा उनके लिए विकसित की गई एग्री-स्टैक प्रणाली का उपयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत टर्राकलां में जनसंवाद कार्यक्रम 21 को

शासकीय संस्थाओं एवं परिसंपत्तियों का निरीक्षण भी करेंगे अधिकारी

श्योपुर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 21 अगस्त शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम विकासखण्ड विजयपुर के ग्राम टर्राकलां में आयोजित होगा। इस दौरान अधिकारियों के दलो द्वारा कलस्टर में शामिल सभी ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, परिसंपत्तियों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का आंकलन किया जायेगा।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशन में 21 अगस्त को टर्राकलां कलस्टर पर आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत रघुनाथपुर, बरेली, हीरापुरा, नीमच, रिझेठा, सुमरेरा, टर्राखुर्द, बलावनी, दांतेटी, धनायचा, खैरोदाकलां, किन्नपुरा, मोरेका, सिरोनी, सुठारा एवं सुखवास शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा तथा लोक सेवा गारंटी के अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरण भी निराकृत होंगे। इसके साथ ही अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा के लंबित प्रकरण भी निराकृत किये जायेगे। ई-केवायसी शिविर व आयुष्मान कार्ड शिविर भी लगाए जाएं।

खितरपाल एवं कींजरी में कलश यात्राओं का आयोजन

श्योपुर, जीएनएस। जन अभियान परिषद द्वारा चलाए जा रहे हरियाली यात्रा अभियान के क्रम में आज विजयपुर ब्लॉक के सेक्टर विजयपुर अंतर्गत ग्राम खितरपाल में एक हरियाली यात्रा का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था शिवांश युवक मंडल समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 100 नवांकुर सखियों को 100 पौधों का वितरण किया गया।

जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू सिंह गौतम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को उत्सव का रूप देते हुए गांव में महिलाओं द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेंटर श्री हेमंत शर्मा ने कहा कि इन पौधों को वृक्ष होने तक देखभाल की जिम्मेदारी हर महिला को उठानी होगी, जिससे हमारा पर्यावरण हरा-भरा बना रहे। उक्त कार्यक्रम में नवांकुर संस्था से हरेन्द्र धाकड, रमाकांत शर्मा बलवीर प्रजापति, अभय शर्मा, मनीष शर्मा, राजपाल केवट, ऊषा शर्मा, रामकिताबी रावत, स्वाति मिश्रा समस्त नवांकुर सखियां, क्षेत्र की महिलाएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इसी प्रकार ग्राम कींजरी में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन कोशिकी सोशल वेलफेयर एंड एनवायरमेंट सोसायटी द्वारा किया गया। स्कूल से कींजरी मोहनपुर के प्रमुख मार्गो से होती हुई निकाली गई कलश यात्रा के माध्यम से नवांकुर सखियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति आत्मीय भाव जागृत करने का संदेश दिया गया। नवांकुर संस्था के संचालक श्री दिलीप तिवारी द्वारा नवांकुर सखी यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह यात्रा नारी शक्ति को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है महिलाएं जब पर्यावरण से जुड़ती हैं तो परिवर्तन की शुरुआत होती है। इस अवसर पर यात्रा में वितरित पौधों को घर आंगन में लगाकर उनकी देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री धर्मेन्द्र आदिवासी द्वारा बताया कि वृक्ष लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढियों के लिए जीवन सुरक्षित करने का संकल्प है ।

पीएम श्रमयोगी मानधन पेंशन योजना

श्योपुर। केंद्र सरकार द्वारा असंगठित कर्मकारों को वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना प्रारंभ की गयी हैं। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा उक्त योजना में अधिक से अधिक श्रमिकों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये गये है। श्रम विभाग द्वारा बताया गया है कि इस योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए आयु 18 से 40 वर्ष होनी चाहिए तथा मासिक आय अधिकतम 15 हजार निर्धारित है, आयकर दाता नहीं होना चाहिए, ई.एस.आई एवं ई.पी.एफ में सम्मिलित न हो, हितग्राही को 60 वर्ष की आयु के बाद 3 हजार रुपये मासिक पेंशन प्राप्त होगी, हितग्राही द्वारा दिए जाने वाला मासिक अंशदान ऑटो डेबिट सुविधा से 55 से 200 रुपये (आयु अनुसार), हितग्राही के मासिक अंशदान के सामान राशि का अंशदान केंद्र सरकार द्वारा किया जावेगा, पंजीयन सी.एस.सी. (कॉमन सर्विस सेण्टर) पर आधार कार्ड एवं बचत खाता, जनधन खाता ले जाकर कराया जा सकता है।

कलेक्टर ने अंतरविभागीय समन्वय बैठक में अभियान की समीक्षा की

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को भितरवार में लगेगा शिविर

ग्वालियर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को लगाए जा रहे शिविरों की कड़ी में जिले का अगला जिला स्तरीय शिविर शुक्रवार को विकासखंड भितरवार मुख्यालय पर आयोजित किया जायेगा। सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने विभाग की जानकारी के साथ शिविर में उपस्थित रहकर शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध करायेंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में शिविर की तैयारियों के साथ-साथ सीएम हैल्पलाइन, किसानों के लिये खाद की उपलब्धता, फार्मर आईडी, किसान क्रेडिट कार्ड, पशुपालन विभाग सहित अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गूगल मीट के माध्यम से शामिल होकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, एडीएम श्री सी बी प्रसाद, एडीएम श्री अनिल बनवारिया सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर तहसीलदार लश्कर श्री मनीष जैन एवं बीएमओ श्री अजय कुमार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रत्येक शुक्रवार को जन-विश्वास शिविरों का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारी प्रतिदिन सीएम हैल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा करें और उसका प्राथमिकता से निराकरण भी सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम एवं महिला व बाल विकास विभाग के अधिकारियों को भी लंबित प्रकरणों के निराकरण में तत्परता से कार्य करने के दिशा-निर्देश दिए हैं। किसानों को खाद वितरण की समीक्षा के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में खाद वितरण में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं आना चाहिए। किसानों को आवश्यकता अनुरूप खाद उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित किया जाए। किसानों की फार्मर आईडी बनाने का कार्य भी तेजी के साथ किया जाए। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा है कि पशुओं के टीकाकरण कार्य को लक्ष्य अनुरूप किया जाए। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले पशु चिकित्सकों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी प्रस्तावित की जाए। राजस्व अधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्र में पशु टीकाकरण के कार्य को प्राथमिकता से कराना सुनिश्चित करें।

'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' में प्राप्त आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण के लिये कमेटी गठित

ग्वालियर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से 08 जनवरी 2027 तक चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जन-विश्वास, जनकल्याण की आधारशिला, क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं संवाद के माध्यम से आमजनों की शिकायतों का त्वरित निराकरण, शासकीय योजनाओं से क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग और लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिले में शिविर के दौरान प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों को पोर्टल पर दर्ज कर उसका निराकरण सुनिश्चित करने के लिये जिला स्तर पर एक कमेटी का गठन किया गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने जिला स्तरीय कमेटी के गठन का आदेश जारी किया है। इस कमेटी में जिला सूचना अधिकारी एनआईसी श्री रजत रस्तोगी, प्रबंधक ई-गवर्नेंस जिला ग्वालियर श्री आशीष जैन, लोक सेवा प्रबंधक श्री सूरज यादव को रखा गया है। गठित समिति पोर्टल पर आने वाली तकनीकी समस्याओं का निराकरण करायेगी एवं प्राप्त आवेदनों के पंजीयन एवं उनके निराकरण की जानकारी प्रतिदिन जिला पंचायत को प्रस्तुत करेगी।

पेंच रिपेयरिंग कर सड़कों को किया दुरूस्त

ग्वालियर। बरसात में खराब हो रही सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए शहर की विभिन्न सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग का कार्य किया जा रहा है। सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज वार्ड 21 सरपंच वाली गई, खम्बा फेक्ट्री के पास नारायण बिहार कॉलोनी, राम नगर विक्की फैक्ट्री, बिजली घर कैला देवी, गार्डन के पास खुरैरी, विक्की फैक्ट्री पूल के बगल से राम नगर, गुप्तेश्वर मंदिर चैराहा के पास गोल पहाडिया, डी डी नगर, दर्पण कॉलोनी, नदी गेट से जयेन्द्रगंज, शानषौकत षिन्दे की छावनी, पंकज विहार कॉलोनी आदि।

ट्रांसपोर्ट नगर में लापरवाही पड़ी भारी, पांच अधिकारियों को नोटिस जारी

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम के अधिकारियों द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में बरती जा रही लापरवाही को लेकर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सख्त रूख अपना लिया है। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने वार्ड 64 अन्तर्गत ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में दिनांक 14/08/2026 को भ्रमण किया था। भ्रमण के दौरान उन्हें कई जगह कमियां मिली, उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों पर नाराजगी जताई थी, साथ ही सोमवार को 5 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में किए गए निरीक्षण के दौरान एक स्थान पर अमृत योजना की पानी की लाईन लीकेज मिली थी। स्थानीय लोगों ने बताया था कि यह पानी की लाईन विगत कई महिनों से लीकेज हो रही है। साथ ही इसकी शिकायत आमजनों द्वारा अधिकारियों से की गई, लेकिन अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया और इसे ठीक भी नहीं किया है। यह जानने के बाद नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने श्री अजय शर्मा उपयंत्री, जलप्रदाय/सीवर, वार्ड क्र 64 तथा श्री रजनीश गुप्ता सहायक यंत्री जलप्रदाय/सीवर को नोटिस जारी किया गया। इसके साथ ही अन्तर्गत ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कुछ भवनों का निर्माण बिना एम.ओ.एस. छोड़े किया जा रहा था। इसके साथ ही मकान का कई जगह नाले पर निर्माण कर लिया था। इसको देखकर नगर निगम आयुक्त ने अधिकारियों को तत्काल अतिक्रमण तोड़ने के निर्देष दिए थे, साथ ही सह भवन निरीक्षक द्वारा बरती गई लापरवाही पर श्री रजत पचैरिया क्षेत्राधिकारी सह भवन निरीक्षक क्षेत्र क्र. 23 को नोटिस जारी। इसके साथ ही अन्तर्गत ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नालियाँ चैक मिली थी, स्थानीय लोगों ने बताया था कि यहां पर नियमित रूप से सफाई नहीं हो रही सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर श्री विवेक त्यागी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं श्री राजेन्द्र सिंह विक्रम मुख्य स्वच्छता निरीक्षक ग्रामीण विधानसभा को नोटिस जारी किया कर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रावधान अन्तर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही करने की चेतावनी दी एवं तीन दिवस में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये।

आपदा प्रबंधन के संबंध में तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

ग्वालियर, जीएनएस। मध्यप्रदेश शासन के आपदा प्रबंधन संस्थान एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में भूकम्परोधी निर्माण विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत के सभागार में प्रारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण में जिला स्तर के अधिकारियों एवं इंजीनियरों को तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। भूकम्प के दौरान की जाने वाली

कार्रवाई एवं सावधानियों के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती भूमिजा सक्सेना, अधीक्षण यंत्री पीडब्ल्यूडी श्री संकल्प गोयल, भोपाल से पधारे विशेषज्ञ श्री अभिषेक मिश्रा, डॉ. तुषार गोलईत, परियोजना अधिकारी आपदा प्रबंधन श्री महेन्द्र सिंह राजपूत, डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट श्री रिपुदमन सिंह ठाकुर, रमन शिक्षा सिमति के श्री हरिओम गौतम एवं प्रशिक्षण ले रहे इंजीनियर एवं अधिकारीगण उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान भोपाल से आए विशेषज्ञ श्री अभिषेक एवं डॉ. तुषार ने इंजीनियर व अधिकारियों को विषय के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही भूकम्प के बारे में भुज, टर्की, काठमांडू और लातूर में भूकम्प से हुए नुकसान के बारे में आपदा प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

स्वच्छ ग्वालियर ऐप पर आने वाली शिकायतों का त्वरित करें निराकरण

ग्वालियर, जीएनएस। स्वच्छ ग्वालियर ऐप पर आने वाली सफाई, सीवर एवं पेयजल की शिकायतों का निराकरण सभी सम्बंधित अधिकारी गंभीरता से करें तथा जो सहायक स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित नहीं हुये और ना ही ऑनलाईन जुड़े उनका एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। उत्ताशय के निर्देश सीईओ स्मार्ट सिटी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने समय समीक्षा बैठक में दिये।

निगम मुख्यालय में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर, श्री मुनीष सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर ने सीएम हेल्पलाईनों के प्रकरणों पर समीक्षा करते हुये विभागवार सीएम हेल्पलाईनों की समीक्षा की तथा सम्बंधित अधिकारियों को गंभीरतो से सीएम हेल्पलाईनों के प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिये इसके साथ ही 50 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों को लेकर व्यक्तिगत रूचि लेकर शिकायतों का निराकरण करने के निर्देष सम्बंधित अधिकारियों को दिये। इसके साथ ही पीएचई पेयजल की शिकायतों के निराकरण को लेकर भी समीक्षा की तथा सभी शिकायतों के निराकरण करने के निर्देष दिये। इसके साथ ही अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने जल भराव के स्थानों पर की जा रही निराकरण की कार्यवाही की समीक्षा की गई तथा वाटर हार्वेस्टिंग के प्रकरणों की जानकारी दी एवं कार्य में तेजी लाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये। नालों पर अतिक्रमणों को लेकर जनकार्य विभाग के अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी पर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया की अपने सभी स्वास्थ अधिकारियों से नालों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को सत्यापन करें तथा अपनी रिपोर्ट दें। इसके साथ ही जरजर भवनों को लेकर निर्देश दिये की सभी क्षेत्राधिकारी गंभीरता से भवनों की स्थिती का निरीक्षण करें तथा आवश्यक कार्यवाही करें।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

एलएसी पर चीन की हरकतों की 'टाइमिंग' समझना जरूरी

भारत–चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर चीन की गतिविधियां एक बार फिर चर्चा में हैं। पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश के तवांग के उत्तर–पूर्व और असफी–ला दर्रे के पास स्थित तक्सिंग क्षेत्र में चीनी सेना की गतिविधियों की खबरें सामने आई हैं। हालांकि भारत सरकार ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया है, लेकिन सीमा पर चीन की रणनीति को समझने के लिए उसके पुराने रवैये पर नजर डालना जरूरी है।

चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहा है। वह पूरे राज्य को 'दक्षिणी तिब्बत' कहता है और मैकमोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता। 1962 के भारत–चीन युद्ध में चीन ने तत्कालीन नेफा क्षेत्र पर कब्जा किया था, लेकिन बाद में अपनी सेना मैकमोहन रेखा के उत्तर में वापस बुला ली थी। इसके बावजूद सीमा विवाद आज तक बना हुआ है।

एलएसी पर चीन की गतिविधियों में एक खास पैटर्न देखने को मिलता है। कई बार महत्वपूर्ण कूटनीतिक यात्राओं या बैठकों से पहले चीन सीमा पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। इसका उद्देश्य यह संदेश देना होता है कि एलएसी कोई अंतिम और पारस्परिक रूप से स्वीकार सीमा नहीं है।

2003 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा से पहले असफी–ला क्षेत्र में विवाद की घटना हुई थी। 2013 में चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग की भारत यात्रा से पहले डेपसांग क्षेत्र में चीनी सैनिकों की मौजूदगी को लेकर तनाव बढ़ा था। 2014 में शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान भी सीमा पर गतिरोध देखने को मिला था। इसके बाद 2019 में चेन्नई शिखर सम्मेलन के समय लद्दाख क्षेत्र में तनाव बढ़ा, जिसका परिणाम 2020 की गलवान घटना के रूप में सामने आया।

अब एक बार फिर चीन की गतिविधियों को उसकी व्यापक रणनीति के संदर्भ में देखने की जरूरत है। चीन ने पिछले कुछ वर्षों में अरुणाचल प्रदेश के स्थानों के अपने नाम घोषित करने की कोशिश की है। भारत ने इसका विरोध करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी स्थान का नाम बदलने से उसकी वास्तविकता नहीं बदल सकती।

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां के लोगों का चीन के दावों से कोई संबंध नहीं है। आज भारत की सैन्य क्षमता 1962 की तुलना में काफी मजबूत है। भारतीय सेना सीमावर्ती क्षेत्रों की रक्षा करने में सक्षम है और भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र भी है। सीमा विवाद केवल जमीन का मामला नहीं, बल्कि कूटनीतिक संदेशों और रणनीतिक दबाव का भी विषय है। इसलिए चीन की हर गतिविधि को केवल घटना के रूप में नहीं, बल्कि उसकी 'टाइमिंग' और उद्देश्य के साथ समझना जरूरी है। भारत को सतर्क रहते हुए अपनी सीमाओं की सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन दोनों पर ध्यान देना होगा।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

शादी हुई डिजिटल

डॉ. विजय गर्ग

एक समय था जब शादी घर-परिवार, रिश्तेदारों, पड़ोसियों और दोस्तों का उत्सव हुआ करती थी। घर में कई दिनों पहले से चहल-पहल शुरू हो जाती थी। रिश्तेदार आते थे, आंगन सजता था, गीत गाए जाते थे और शादी के हर छोटे-बड़े काम में लोग मिल-जुलकर भाग लेते थे। शादी केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन मानी जाती थी।

लेकिन अब जमाना बदल गया है। शादी का कार्ड डाक से नहीं, व्हाट्सऐप पर आता है। रिश्तेदारों को बुलाने के लिए फोन करने की जगह एक सुंदर-सा डिजिटल निमंत्रण भेज दिया जाता है। उसमें दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें, शादी की तारीख, समय, स्थान और कभी-कभी प्रेम कहानी का छोटा-सा वीडियो भी शामिल होता है। निमंत्रण देखकर लगता है कि विवाह समारोह कम और किसी नए वेब-सीरीज का ट्रेलर ज्यादा है।

अब शादी से पहले प्री-वेडिंग शूट होता है। दूल्हा-दुल्हन किसी पार्क, महल, पहाड़ या समुद्र के किनारे अलग-अलग मुद्राओं में तस्वीरें खिंचवाते हैं। कभी दोनों कैमरे की ओर देखते हैं, कभी एक-दूसरे की ओर। फोटोग्राफर कहता है–÷थोड़ा और रोमांटिक पोज दीजिए।÷ बेचारे दूल्हा-दुल्हन सोचते होंगे कि शादी करनी है या अभिनय की परीक्षा देनी है!

पहले बारात निकलती थी तो बैंड-बाजा बजता था। अब बारात के साथ कैमरे, ड्रोन और मोबाइल फोन भी चलते हैं। बारात में शामिल लोगों में से कई नाचने से ज्यादा वीडियो बनाने में व्यस्त दिखाई देते हैं। किसी के हाथ में मोबाइल है, किसी के हाथ में सेल्फी स्टिक और किसी के पास लाइव स्ट्रीमिंग की जिम्मेदारी।

दूल्हे की घोड़ी से ज्यादा महत्वपूर्ण अब उसका एंट्री वीडियो हो गया है। दूल्हा किस रास्ते से आया, कितने कैमरों ने उसे रिकॉर्ड किया और उसके प्रवेश पर कौन-सा संगीत बजा–इन सब पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यदि एंट्री का वीडियो वायरल नहीं हुआ तो मानो शादी का एक महत्वपूर्ण अध्याय अधूरा रह गया।

दुल्हन के लिए भी चुनौतियाँ कम नहीं हैं। पहले दुल्हन के श्रृंगार की प्रशंसा घर की महिलाएँ और रिश्तेदार करते थे। अब कैमरा हर कोण से उसका निरीक्षण करता है। मेकअप, कपड़े, आभूषण और हेयरस्टाइल सब कुछ सोशल मीडिया के योग्य होना चाहिए।

फिर आता है जयमाला का समय। पहले वर-वधू एक-दूसरे को माला पहनाते थे और परिवार खुशी मनाता था। अब जयमाला भी एक सिनेमाई दृश्य बन चुकी है। फूलों की वर्षा, विशेष रोशनी, धुआँ, संगीत और कई कैमरे–सब कुछ एक साथ। कभी-कभी ऐसा लगता है कि विवाह मंडप नहीं, फिल्म का सेट लगा हुआ है।

फेरे शुरू होते हैं तो मोबाइल फोन फिर सक्रिय हो जाते हैं। पंडित जी मंत्र पढ़ रहे हैं और दूसरी तरफ रिश्तेदार कैमरा चला रहे हैं। कोई फोटो खींच रहा है, कोई वीडियो बना रहा है और कोई सोशल मीडिया पर स्टोरी डाल रहा है।

पंडित जी शायद मन ही मन सोचते होंगे–÷लोग विवाह संस्कार पर ध्यान दें या मोबाइल की बैटरी पर?÷

अब शादी में एक नया प्रश्न भी पैदा हो गया है–÷फोटो अच्छी आई या नहीं?÷

अगर भोजन अच्छा था, रिश्तेदार खुश थे और समारोह शांतिपूर्ण ढंग से हो गया, तो यह सब बाद की बातें हैं। सबसे पहले देखा जाएगा कि तस्वीरें कैसी आईं।

दूल्हा-दुल्हन की शादी की तस्वीरें पोस्ट होती हैं। फिर बधाइयों का सिलसिला शुरू होता है।

कई लोग ऐसे भी होते हैं जिन्होंने दूल्हा-दुल्हन को कभी देखा तक नहीं, लेकिन फोटो पर टिप्पणी करना उनका सामाजिक कर्तव्य बन जाता है।

कुछ लोग शादी में उपस्थित नहीं हो पाते, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से पूरा समारोह देख लेते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि वे शादी में शामिल हो गए। दूसरी ओर, जो लोग वास्तव में शादी में मौजूद होते हैं, वे भी कभी-कभी मोबाइल स्क्रीन के माध्यम से ही समारोह देखते हैं।

यह डिजिटल युग का बड़ा विरोधाभास है–लोग कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं, लेकिन उनकी नजर कार्यक्रम पर नहीं, स्क्रीन पर होती है।

पहले शादी में भोजन की चर्चा होती थी–कितनी अच्छी मिठाई बनी, सब्जियाँ कैसी थीं, पूरियाँ गर्म थीं या नहीं। अब चर्चा होती है कि खाने की फोटो इंस्टाग्राम पर कैसी लगेगी। मिठाई खाने से पहले उसकी तस्वीर लेना आवश्यक है।

कई बार तो भोजन से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका फूड फोटोग्राफी एंगल हो जाता है।

शादी के बाद भी डिजिटल संसार पीछा नहीं छोड़ता। हनीमून की तस्वीरें, नई गृहस्थी की तस्वीरें, पहली रसोई की तस्वीरें, पहली यात्रा की तस्वीरें–हर घटना डिजिटल रिकॉर्ड का हिस्सा बन जाती है।

ऐसा लगता है कि आजकल जीवन जीने से पहले यह सोचना पड़ता है कि ÷इसे पोस्ट कैसे करेंगे?÷

पहले लोग शादी की यादें मन में रखते थे। अब यादें मोबाइल की गैलरी में रहती हैं। पहले रिश्तेदार कहते थे–÷तुम शादी में आए थे, बहुत अच्छा लगा।÷ अब कहते हैं–÷तुमने हमारी पोस्ट लाइक क्यों नहीं की?÷

रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे डिजिटल प्रतिक्रियाओं में बदलती जा रही है। एक ÷लाइक÷, एक ÷हार्ट÷ और एक ÷कमेंट÷ मानो रिश्ते की नई मुद्रा बन गए हैं।

लेकिन तकनीक को दोष देना भी उचित नहीं होगा। डिजिटल माध्यमों ने शादी को कई सुविधाएँ भी दी हैं। दूर रहने वाले रिश्तेदार समारोह देख सकते हैं। निमंत्रण आसानी से भेजा जा सकता है। तस्वीरें और वीडियो सुरक्षित रखे जा सकते हैं। परिवार के महत्वपूर्ण क्षण दूर बैठे लोग भी देख सकते हैं।

समस्या तकनीक में नहीं, तकनीक के अतिरेक में है।

यदि मोबाइल शादी की यादों को संजोने का माध्यम है, तो वह उपयोगी है। लेकिन यदि मोबाइल के कारण हम शादी का आनंद लेना ही भूल जाएँ, तो समस्या है।

शादी में कैमरा होना गलत नहीं है, लेकिन कैमरा रिश्तों से बड़ा नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया पर तस्वीर डालना गलत नहीं है, लेकिन तस्वीर के लिए भावनाओं का अभिनय करना ठीक नहीं। डिजिटल निमंत्रण सुविधाजनक है, लेकिन कभी-कभी किसी प्रियजन को फोन करके व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करना रिश्ते को अधिक गर्माहट देता है।

आज हमें यह तय करना होगा कि हम शादी को जीना चाहते हैं या केवल रिकॉर्ड करना चाहते हैं। क्योंकि शादी कोई सोशल मीडिया पोस्ट नहीं है। यह जीवन का एक महत्वपूर्ण संस्कार है।

शहर की पहचान इमारतों से नहीं, पुस्तकालयों से होती है

डॉ. विजय गर्ग

जब हम किसी शहर के बारे में सोचते हैं तो अक्सर हमारा ध्यान उसकी सड़कों, पुलों, शॉपिंग मॉल, ऊँची इमारतों, बाजारों, स्मारकों और आधुनिक बुनियादी ढाँचे की ओर जाता है। चौड़ी सड़कों और शानदार इमारतों वाले शहर को अक्सर विकसित माना जाता है। लेकिन किसी शहर की प्रगति को मापने का एक और शांत, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण पैमाना भी है–उसके पुस्तकालय।

इमारतें बताती हैं कि शहर भौतिक रूप से कितना विकसित हुआ है। पुस्तकालय बताते हैं कि वह बौद्धिक रूप से कितना विकसित हुआ है।

किसी शहर में शानदार टावर, आलीशान मॉल और महंगे व्यावसायिक केंद्र हो सकते हैं, लेकिन यदि उसके पुस्तकालय उपेक्षित, खाली या समाप्त होते जा रहे हैं, तो उसके सांस्कृतिक जीवन में कुछ महत्वपूर्ण कमी है। पुस्तकालय केवल किताबों से भरा एक कमरा नहीं होता। यह ज्ञान, कल्पना, जिज्ञासा, सीखने और सूचना तक लोकतांत्रिक पहुँच का केंद्र होता है।

पुस्तकालय शहर का बौद्धिक हृदय है

एक अच्छा पुस्तकालय वह अवसर प्रदान करता है, जो कोई शॉपिंग मॉल नहीं दे सकता–नए विचारों को खोजने का अवसर।

पुस्तकालय में एक बच्चा इतिहास की यात्रा कर सकता है, विद्यार्थी परीक्षा की तैयारी कर सकता है, शोधकर्ता नए ज्ञान की खोज कर सकता है, लेखक को प्रेरणा मिल सकती है और बुजुर्ग व्यक्ति भी अपनी सीखने की यात्रा जारी रख सकता है।

विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग एक ही स्थान पर बैठकर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यही कारण है कि पुस्तकालय किसी शहर की सबसे लोकतांत्रिक संस्थाओं में से एक है।

एक संपन्न विद्यार्थी के पास पुस्तकों और डिजिटल संसाधनों का बड़ा निजी संग्रह हो सकता है, लेकिन अनेक विद्यार्थी इन्हें खरीदने में सक्षम नहीं होते। ऐसे विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय महत्वाकांक्षा और अवसर के बीच एक पुल बन सकता है।

पुस्तकालय केवल एक इमारत नहीं

पुस्तकालय का वास्तविक मूल्य उसकी इमारत के आकार या अलमारियों में रखी पुस्तकों की संख्या से नहीं मापा जा सकता।

एक सफल पुस्तकालय जीवंत सीखने का स्थान होता है।

उसे पढ़ने, चर्चा, शोध, रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना चाहिए। आधुनिक पुस्तकालयों में मुद्रित पुस्तकों के साथ समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, ई-पुस्तकें, डिजिटल डेटाबेस, कंप्यूटर और शैक्षिक संसाधन भी उपलब्ध होने चाहिए।

लेकिन तकनीक को पुस्तकालय के मूल उद्देश्य का स्थान नहीं लेना चाहिए। उसे पुस्तकालय की पूरक बनना चाहिए।

पुस्तकालय ऐसी जगह बना रहना चाहिए जहाँ लोग शांतिपूर्वक बैठ सकें, गहराई से सोच सकें और लगातार डिजिटल व्यवधान के बिना पढ़ सकें।

पुस्तकालय और बच्चे

बच्चों की पढ़ने की आदतें उनके आसपास के वातावरण से बहुत प्रभावित होती हैं। यदि शहर आकर्षक, सुलभ और बच्चों के अनुकूल पुस्तकालय उपलब्ध कराए, तो बच्चों में पुस्तकों के साथ संबंध विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

पुस्तकालय में जाने वाला बच्चा शुरुआत में कोई रंगीन कहानी की पुस्तक उठा सकता है। बाद में उसी बच्चे की रुचि विज्ञान, इतिहास, भूगोल, साहित्य या तकनीक में विकसित हो सकती है।

जिज्ञासा से ज्ञान तक की यात्रा अक्सर एक पुस्तक से शुरू होती है।

पुस्तकालय बच्चों को अपनी पाठ्य-पुस्तकों से बाहर की रुचियाँ खोजने में भी मदद कर सकते हैं। स्कूल का पाठ्यक्रम आवश्यक ज्ञान प्रदान करता है, लेकिन पुस्तकालय एक बहुत बड़ी दुनिया का दरवाजा खोल सकता है।

पुस्तकालय और विद्यार्थी

विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय विशेष रूप से उपयोगी हैं।

हर विद्यार्थी के पास घर में शांत अध्ययन के लिए अलग कमरा नहीं होता। हर परिवार संदर्भ पुस्तकों का बड़ा संग्रह खरीदने में सक्षम नहीं होता। हर विद्यार्थी के पास महंगे शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच भी नहीं होती।

एक अच्छी तरह सुसज्जित सार्वजनिक या सामुदायिक पुस्तकालय शांत वातावरण, संदर्भ सामग्री और स्व-अध्ययन के अवसर प्रदान कर सकता है।

इस अर्थ में पुस्तकालय शैक्षिक समानता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वे यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि सीखने के अवसर केवल परिवार की आय या सामाजिक पृष्ठभूमि पर निर्भर न रहें।

पुस्तकालय पढ़ने की संस्कृति बनाते हैं सिर्फ पुस्तकें उपलब्ध होने से पढ़ने की संस्कृति विकसित नहीं होती। लोगों को पढ़ने के लिए स्थान, प्रोत्साहन और अवसर भी चाहिए।

पुस्तकालय पठन क्लब, कहानी-सत्र, पुस्तक चर्चाएँ, व्याख्यान, वाद-विवाद, प्रदर्शनियाँ और लेखकों के साथ संवाद आयोजित कर सकते हैं।

ऐसी गतिविधियाँ पुस्तकालय को केवल पुस्तकों के भंडार से एक सक्रिय सांस्कृतिक केंद्र में बदल सकती हैं।

जिस शहर में पढ़ने की मजबूत संस्कृति होती है, वहाँ नागरिक अधिक जिज्ञासु, जागरूक और विभिन्न विचारों को समझने के लिए तैयार हो सकते हैं।

शिकायतों के निस्तारण में किसी भी हीला हवाली को मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा

जालौन, जीएनएस। तहसीलदार एवं अधिकारियों की उपस्थिति उप जिला अधिकारी की अध्यक्षता एवं अधिकारी कर्मचारियों की मौजूदगी में तहसील दिवस संपन्न हुआ दिवस में एक दर्जन जिम्मेदार अधिकारी अनुपस्थित रहे 16 फरियादियों ने अपनी अपनी पीड़ा सुनाकर निस्तारण किए जाने की मांग उठाई मौके में चार शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया।

सोमवार के दिन तहसील कालपी सभागार में आयोजित दिवस पर उप जिलाधिकारी ने मौजूद अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि फरियादियों के द्वारा जो शिकायत आज प्रस्तुत की गई है शिकायतों से संबंधित अधिकारी तहसील की पटल से प्राप्त कर मौके में जाकर गुणवत्ता परक तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें उन्होंने कहा कि शिकायतों से संबंधित अधिकारी ने समय से निस्तारण की जांच व्याख्या तहसील की पटल में नहीं प्रस्तुत की तो ऐसे अधिकारी की खैर नहीं होगी

तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा ने शिकायतों से संबंधित अधिकारियों से अपने कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि निस्तारण में किसी भी अधिकारी की बहाने बाजी को मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा हर हाल में समय के अंतर्गत शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता परक तरीके से करना ही होगा फरियादियों में मोहल्ला उदनपुरा निवासी रमेश शर्मा ने शिकायत प्रस्तुत कर अवगत कराया कि उक्त मोहल्ले में पैतृक मकान है जो जर्जर था रहने लायक नहीं था उसमें ताला लगा हुआ था वहीं विपक्षी ने महिलाओं के साथ रात्र को मकान का ताला तोड़कर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है कब्ज़ा हटाए जाने की मांग की चुर्खी निवासी कृष्ण प्रकाश त्रिपाठी ने शिकायत प्रस्तुत कर अवगत कराया कि मरघट एवं खाद्यान्न की जमीन विनिमय किए जाने की मांग की आदि 16 फरियादियों ने अपनी शिकायत अलग-अलग प्रस्तुत कर कार्यवाही करने की मांग की उपस्थित लोगों में नायब तहसीलदारो मे चंद्र मोहन शुक्ला मुकेश कुमार प्रिंस बाबू विद्युत सहायक अभियंता धर्मेंद्र सिंह जल संस्थान अबरअभियंता वासिद अली पालिका लिपिक रमेश कुमार यादव नगर पंचायत लिपिक भारत कोऑपरेटिव एडीओ द्वारका प्रसाद गुप्ता पूर्ति निरीक्षक प्रफुल्ल मिश्रा स्वास्थ्य विभाग से सतीश चंद्र मंडी कालपी से शिशुपाल सिंह कोतवाली कालपी उप निरीक्षक बलवंत सिंह आदि अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री द्वारा कोटेदारों को वीडियो कॉन्फ्रेंस पर लाभांश 35 रूपए कुंटल की घोषणा बैठक मे मौजूद कोटेदारों हुए खुश

जालौन, जीएनएस। मुख्य अतिथि विधायक की उपस्थिति में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं उप जिलाधिकारी तहसीलदार आदि अधिकारी एवं स्थानीय भाजपा लोगो तथा कोटेदारों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस उद्बोधन सुनकर अधिकारियों ने साक्षरता से पालन करने के निर्देश दिए।

सोमवार के दिन तहसील कालपी सभागार में आयोजित वीडियो कान्फ्रेस के जरिये मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी उद्बोधन में कहा कि सरकारी राशनिंग व्यवस्था में प्रदेश सरकार द्वारा 25 रूपए प्रति कुंटल तथा केंद्र सरकार द्वारा 10 रूपए प्रति कुंटल की दर से कुल 35 रूपए लाभांश की घोषणा की गई साथ में उन्होंने मौजूद कोटेदारों को आश्वासन दिया की जरूरत पड़ेगी तो लाभांश बढ़ाने का विचार किया जाएगा आदि बिंदुओं में भी प्रकाश डाला उन्होंने कोरोना काल में कोटेदारों द्वारा सहयोग करने पर मुख्यमंत्री ने जमकर सराहना की डिप्टी सीएम बृजेश पाठक डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य खाद्य रसद कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा आदि ने मुख्यमंत्री के द्वारा कोटेदारों के हित में की गई घोषणा की सरहना की मुख्य अतिथि विधायक विनोद चतुर्वेदी ने प्रदेश सरकार के द्वारा किए गए कार्यों की जमकर सराहना की नमामि गंगे अपर जिलाधिकारी प्रेमचंद मौर्या ने मुख्यमंत्री के द्वारा की गई लाभांश की घोषणा पर मौजूद कोटेदारों को बिंदुवार जानकारी देकर निर्देश दिए उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने मौजूद कोटेदारों से कहा कि मुख्यमंत्री के उद्बोधन को आप लोगों ने सुना है।

हरियाली तीज उत्सव मातृ शक्ति ने धूमधाम से मनाने पर उठी तालिया की गूंज

जालौन, जीएनएस। सावन महीने में अखिल भारतीय पुरवार महासभा संगठन उप शाखा कालपी की महिलाओं ने हरियाली तीज पर्व पर बिहारी मंदिर भगवान बिहारी दरबार में पूजा अर्चना कर पर्व को बड़े हर्षोल्लास के तहत मनाया। सोमवार के दिन नगर के मोहल्ला राजघाट स्थित यमुना तट समीप बिहारी मंदिर दरबार एवं प्रांगण में आयोजित पर्व पर महिला पुरवार संगठन नगर इकाई अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता पुरवार उषा पुरवार आदि महिलाओं ने पर्व पर मेहंदी प्रतियोगिता रचनात्मक अद्भुत एवं सुंदरता प्रदर्शन

कर बेहद आकर्षक मेहंदी लगाई तथा नृत्य गान करबड़े हर्षोल्लास तहत पर्व आयोजित किया गया यह पर्व आयोजित ही नहीं समाज की एकता हमारी परंपराओं मातृशक्ति की प्रतिभा सुंदर संगम बनकर सामने आकर सुशोभित हुआ कुछ महिलाओं ने पर्व पर अच्छा प्रदर्शन कर मौजूद महिलाओं को ताली बजाने के लिए विवश किया मौजूद महिलाओं ने भगवान बिहारी दरबार में पहुंचकर माथा टेक कर स्वयं तथा परिवार हेतु खुशी हेतु आशीर्वाद मांगा हरियाली पर्व को बड़े अच्छे ढंग से मनाने पर अन्य महिलाओं को पर्व मनाने का संदेश दिया।

निगम के पूर्वजों ने दंगल कार्यक्रम डाली परंपरा को निगम परिवार कायम किए हुए हैं

जालौन, जीएनएस। नाग पंचमी पर्व पर लंका मीनार प्रांगण में मेले तथा दंगल का आयोजन किया गया दंगल में पहलवानों ने अपने दांव-पेंच दिखाकर हार जीत हासिल की।

बताते चलें कि नाग पंचमी अवसर पर बाबू मथुरा प्रसाद ने मथुरा प्रसाद निगम ने जन्म दिवस पर लगभग 175 वर्ष से मिला तथा दंगल का आयोजन होता चला आ रहा है उक्त मिले का उद्घाटन पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी समेत तीनों लोगों ने किया उद्घाटन समारोह में पूर्व विधायक मेहरोत्रा ने कहा कि निगम परिवार के डॉक्टर विवेक निगम एवं अधिवक्ता श्रवण कुमार निगम पूरा परिवार पुरानी परंपरा को कायम किए हुए हैं

इसलिए निगम परिवार बधाई का पात्र है इस दौरान पहली कुश्ती दीपू यादव भदरेखी प्रियांशु मोहम्मदाबाद के बीच कराई गई जिसमें दीपू विजय हुए दूसरी कुश्ती अनुज और राजेश के बीच कराई गई जिसमें अनुज विजय हुए इसके अलावा एक दर्जन पहलवानों ने भाग लेकर दंगल में कुश्ती लड़ी रेफरी की जिम्मेदारी में किशन यादव शेर सिंह ने अहम भूमिका निभाई मौके में भाजपा नेता ओमप्रकाश शर्मा हरी बाबू गुप्ता लाला हुका डॉ प्रदीप गुप्ता राजकुमार गुप्ता पतरा वाले डॉ आर पी दीक्षित आदि लोग मौजूद थे।

गरीब महिलाओं को हर माह 2,500 की सहायता मिले : राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक मुसरफ खान

नारी सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण से ही बनेगा मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र

उत्तरप्रदेश, संजय सागर सिंह। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक एवं वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान ने उत्तर प्रदेश की गरीब, मजदूर, दलित एवं वंचित महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से महत्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं को प्रतिमाह ?2,500 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बना सकें। श्री ख़ान ने आगे कहा कि योगी सरकार अच्छा काम कर रही है। उत्तरप्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, लेकिन जानकारी के अभाव और जमीनी स्तर की व्यवस्थागत खामियों के कारण अनेक पात्र गरीब महिलाएं इन योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रही हैं। जरूरत है कि योगीजी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी गरीब गुरबा महिला तक पूरी पारदर्शिता और सहजता से पहुंचे।

उन्होंने यह भी कहा कि नारी सम्मान, शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता ही सशक्त समाज की आधारशिला है। महिलाएं आज शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, राजनीति, उद्यमिता और समाजसेवा सहित हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रही हैं। जब बेटियां एवं महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत होंगी, तो परिवार के साथ पूरा समाज और राष्ट्र भी सशक्त होगा।

स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने समाज और सरकार से बेटियों एवं महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसर वाला वातावरण देने का आह्वान करते हुए कहा कि नारी का सम्मान केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभ्य और मजबूत समाज की पहचान है।आखिर में राष्ट्रवादी सामाजिक चिंतक एवं वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान ने भावपूर्ण संदेश दिया - दुनिया की शान है नारी, शक्ति का अवतार है नारी; घर-आंगन की मुस्कान है नारी, जीवन की परिभाषा है नारी। मां, बहन और बेटी के रूप में, हर इंसान का सम्मान है नारी।

विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष (क्षेत्र पंचायत प्रकोष्ठ),बबलू पटेल के नेतृत्व में तिरंगा बाइक रैली ने जगाया राष्ट्रभक्ति का जोश,भारत माता के जयकारों से गूंजा बीएलडब्ल्यू परिसर

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बीएलडब्ल्यू कैम्पस स्थित नाथुपुर पश्चिमी गेट पर देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम में परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय पर्व को धूमधाम से मनाया कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत ध्वजारोहण के साथ हुआ 7 विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के वरिष्ठ राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा पाण्डेय ने राष्ट्रीय मंत्री राजेश मौर्या एवं ओपी कश्यप सहित परिषद के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में तिरंगा फहराया 7 जैसे ही तिरंगा आसमान की ऊंचाइयों में लहराया, पूरा परिसर भारत माता की जय,वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से गूंज उठा 7 ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित सभी पदाधिकारियों,कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों ने एक साथ खड़े होकर पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ

राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया 7 राष्ट्रगान के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना से भर उठा 7

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की भी विशेष उपस्थिति रही 7 ध्वजारोहण कार्यक्रम के समय मंडुआडीह थाना प्रभारी अजय राज वर्मा,इंस्पेक्टर अपराध विद्या शंकर शुक्ला,उपनिरीक्षक सुनील राय,उपनिरीक्षक सुहेल खान और बीएलडब्ल्यू चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार के साथ काफ़ी संख्या मे महिला और पुरुष कांस्टेबल व बीएलडब्ल्यू चौकी एवं मंडुआडीह थाना की पुलिस टीम मौजूद रही 7 पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया 7 परिषद के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों एवं जवानों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा में पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की । इस अवसर पर विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के वरिष्ठ राष्ट्रीय मंत्री कृष्णा पाण्डेय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए केवल उत्सव का पर्व नहीं,बल्कि उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर शहीदों को नमन करने का दिन है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया 7 उनके बलिदान और संघर्ष के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं।

लालकिले से निकला एक शब्द, सौ सवाल 'दिमागी नक्सल' पर सियासत क्यों गरमाई?

वैश्विक स्तरपर जीभ डैग,जीभ जंवाई-भारतीय लोक-संस्कृति का यह दोहा केवल वाणी की मर्यादा का संदेश नहीं देता, बल्कि राजनीति समाज और कूटनीति में शब्दों की असाधारण शक्ति को भी समझाता है। एक शब्द किसी को सम्मान दिला सकता है और वही शब्द दूसरे संदर्भ में विवाद,राजनीतिक ध्रुवीकरण और सार्वजनिक बहस का कारण बन सकता है।माननीय पीएम के 15 अगस्त 2026 के लालकिले के भाषण में प्रयुक्त दिमागी नक्सल शब्द अब इसी शब्द-शक्ति का ताजा उदाहरण बन गया है।15 अगस्त को पीएम ने लालकिले की प्राचीर से नक्सलवाद पर सरकार की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलवाद के खिलाफ देश ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है,लेकिन अब ऐसीदिमागी नक्सली मानसिकता को भी पहचानने और अलग- थलग करने की आवश्यकता है।उनका तर्क था कि चुनौती केवल बंदूक उठाने वाले व्यक्ति से नहीं है,बल्कि उस वैचारिक समर्थन से भी है जो हिंसक माओवादी विचारधारा को सामाजिक या बौद्धिक आधार प्रदान कर सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यहीं से शब्द राजनीति का नया अध्याय शुरू हुआ।पीएम के बयान को सत्ता पक्ष ने हिंसक नक्सलवाद के वैचारिक समर्थकों के संदर्भ में प्रस्तुत किया,जबकि विपक्ष ने इसे सरकार के आलोचकों, बुद्धिजीवियों औरलोकतांत्रिक असहमति रखने वालों को एक ही श्रेणी में डालने का प्रयास बताया।प्रमुख विपक्षी पार्टी के वरिष्ठ नेता नेपलटवार करते हुए कहा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। उनकी टिप्पणी ने उस शब्द को,जिसे पीएम ने चेतावनी के रूप में इस्तेमाल किया था,विपक्ष की ओर से राजनीतिक व्यंग्य और प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया।

साथियों बात अगर हमदिमागी नक्सल आखिर है क्या- और विवाद इतना बड़ा क्यों?इसको समझने की करें तोयहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दिमागी नक्सल कोई स्थापित संवैधानिक, वैधानिक या कानूनी श्रेणी नहीं है। यह राजनीतिक विमर्श में इस्तेमाल किया गया एक राजनीतिक शब्द है। इसलिए इसके अर्थ का निर्धारण उसी संदर्भ से होगा जिसमें इसे बोला गया।पीएम के समर्थक इसे उन लोगों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं जो माओवादी हिंसा, संविधान-विरोधी हिंसक राजनीति अथवा देश की अखंडता के विरुद्ध गतिविधियों को वैचारिक समर्थन देते हैं। दूसरी ओर विपक्ष पूछ रहा है कि क्या सरकार की आलोचना असहमति, वैकल्पिक विचार या किसी सरकारी नीति का विरोध अपने-आप दिमागी नक्सलवाद बन जाएगा?यही वह महीन रेखा है जहां लोकतंत्र और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप एक-दूसरे से टकराते हैं। लोकतंत्र में सरकार का विरोध और हिंसक विद्रोह का समर्थन एक ही बात नहीं है। किसी नीति की आलोचना करना, न्यायालय में सरकार के निर्णय को चुनौती देना, संसद में विरोध करना या शांतिपूर्ण आंदोलन करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हिस्सा है। इसके विपरीत हिंसक संगठन की गतिविधियों को समर्थन देना बिल्कुल अलग प्रश्न है। इसलिए 'दिमागी नक्सल' जैसे व्यापक शब्द की परिभाषा जितनी स्पष्ट होगी, विवाद उतना ही सीमित रहेगा।

साथियों बात अगर हम प्रमुख विपक्षी नेता का गर्व वाला जवाब,राजनीतिक पलटवार या शब्द को हथियार बनाने की रणनीति? इसको समझने की करें तो उनकी प्रतिक्रिया ने विवाद को दूसरी दिशा दे दी। यदि किसी व्यक्ति को दिमागी नक्सल कहकर राजनीतिक रूप से कलंकित करने का प्रयास किया जा रहा हो, तो उसका उसी शब्द को उलटकर अपने पक्ष में इस्तेमाल करना राजनीतिक भाषण-कला की पुरानी रणनीति है। उनका का संदेश मूलतः यह था कि वे पीएम द्वारा बनाए गए उस वैचारिक फ्रेम को स्वीकार नहीं करते जिसमें आलोचना करने वालों को नक्सली कहकर देखा जाए। लेकिन सत्ता पक्ष ने इस पलटवार को स्वीकार नहींकिया। सत्ताधारी पक्ष के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनपर पर पलटवार करते हुए दिमागी नक्सल की अपनी राजनीतिक व्याख्या प्रस्तुत की और आरोप लगाया कि वैचारिक स्तर पर देश-विरोधी एजेंडे को समर्थन देने वाले लोग इस श्रेणी में आ सकते हैं। इसके साथ ही एक केंद्रीय ने पूर्व पीएम के पुराने नक्सलवाद संबंधी बयान का हवाला देकर प्रमुख विपक्षी पार्टी को घेरने की कोशिश की। उस बयान में पूर्व पीएम ने नक्सलवाद को भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताया था। इस राजनीतिक पलटवार का संदेश साफ था, सत्ताधारी पार्टी प्रमुख विपक्षी पार्टी से पूछ रही है कि जब उसके अपने पूर्व पीएम नक्सलवाद को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती मानते थे, तो आज दिमागी नक्सल शब्द पर इतनी आपत्ति क्यों?

साथियों बात अगर हम विपक्ष का तर्क भी कम महत्वपूर्ण नहीं इस एंगल से इसको समझने की करें तो विपक्ष का सवाल लोकतांत्रिक दृष्टि से गंभीर है। उसका कहना है कि लालकिला केवल सरकार का मंच नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का संवैधानिक प्रतीक है।इसलिए स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में प्रयुक्त शब्दों का प्रभाव सामान्य राजनीतिक सभा में बोले गए शब्दों से कहीं अधिक होता है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि 'दिमागी नक्सल' जैसे शब्द के जरिए आलोचकों और वैचारिक विरोधियों को कलंकित करने की कोशिश की जा रही है।यहीं भारतीय संस्कृति का वह पुराना संदेश फिर सामने आता है, बोलत बोलत बड़े बिखात। बोलने से पहले शब्द का अर्थ,उसका संदर्भ और उसकेसंभावित परिणामों को समझना आवश्यक है। क्योंकि आज का राजनीतिक शब्द केवल सभा में समाप्त नहीं होता; वह टीवी स्क्रीन,सोशल मीडिया,मीम, हैशटैग और लाखों लोगों की राजनीतिक बातचीत में प्रवेश कर जाता है।

साथियों बात अगर हम दिमागी नक्सल पार्टी, शब्द से सोशल मीडिया ब्रांड तक इसको समझने की करें तो इस विवाद का सबसे दिलचस्प पहलू इसका सोशल मीडिया प्रभाव है। प्रधानमंत्री के बयान के बाद 'दिमागी नक्सल पार्टी' नाम से एक पैरोडी/सैटिरिकल सोशल मीडिया पहचान के उभरने की चर्चा शुरू हुई। इसे किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए; उपलब्ध रिपोर्टों में इसके वास्तविक राजनीतिक संगठन होने की पुष्टि नहीं है। इसका महत्व इसलिए है कि उसने पीएम के शब्द को ही व्यंग्य में बदल दिया।यहां भारतीय राजनीति में हाल का कॉकरोच जनता पार्टी उदाहरण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। सीजेपी की शुरुआत सोशल मीडिया व्यंग्य और नीट - 2026 परीक्षा विवाद से जुड़े छात्र आंदोलन के संदर्भ में हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, एक कथित अपमानजनक टिप्पणी/मीम से शुरू हुआ यह अभियान धीरे-धीरे जंतर-मंतर के प्रदर्शन और व्यापक छात्र आंदोलन में बदल गया।मई 2026 के मध्य में सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान, सीजेआई द्वारा बेरोजगार युवाओं और व्यवस्था की आलोचना करने वाले कुछ वर्ग को कथित तौर पर कॉकरोच(समाज के परजीवी) कहा गया था।मीम में रूपांतरणइसटिप्पणी के सामने आते ही सोशल मीडिया (विशेषकर इंस्टाग्राम और एक्स) पर युवाओं ने इसे अपमानित महसूस करने के बजाय खुद पर ढाल बनाया।%कॉकरोच जनता पार्टी प्रमुख द्वारा 16 मई 2026 को एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक /युवा मंच के रूप में कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना की गई, जिसका नारा वॉइस ऑफ़ द लेज़ी एंड अनएम्प्लाड रखा गया। इसके डिजिटल मीम्स, एआई- जनरेटेड इमेजरी और रील्स कुछ ही दिनों में लाखों-करोड़ों युवाओं तक पहुंच गए।बाद में सीजेपी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को प्रमुख मांग बनाया। सरकार के साथ बातचीत में भी यह मांग रखी गई और 25 जुलाई 2026 को शिक्षामंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि किसी आंदोलन की एकमात्र वजह इस्तीफा थी, ऐसा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा,उसके पीछे परीक्षा विवाद, छात्रों का आंदोलन, राजनीतिक दबाव और अन्य परिस्थितियां भी थीं।

बाल पत्रिकाओं का भविष्य : युवा पाठकों तक पहुंचने की चुनौती

डॉ. विजय गर्ग

कई पीढ़ियों से बाल पत्रिकाओं ने बच्चों के मन और व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें कहानियाँ, कविताएँ, पहेलियाँ, वैज्ञानिक तथ्य, चित्र, जीवनियाँ, नैतिक शिक्षाएँ और रचनात्मक गतिविधियाँ मनोरंजन तथा शिक्षा के सुंदर समन्वय के रूप में प्रस्तुत की जाती रही हैं। अनेक बच्चों के लिए ये पत्रिकाएँ पाठ्य-पुस्तकों और कक्षा की दुनिया से आगे एक विस्तृत संसार की ओर खुलने वाली खिड़की रही हैं।

लेकिन आज बाल पत्रिकाओं के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा है—क्या वे अभी भी बच्चों तक पहुँच रही हैं?

चुनौती अनिवार्य रूप से अच्छी सामग्री की कमी नहीं है। अनेक पत्रिकाएँ आज भी सार्थक कहानियाँ, शिक्षाप्रद सामग्री और रचनात्मक लेख प्रकाशित कर रही हैं। बड़ी समस्या यह है कि बच्चे अब तेजी से बदलते हुए मीडिया वातावरण में बड़े हो रहे हैं। स्मार्टफोन, शॉर्ट वीडियो, ऑनलाइन गेम, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया लगातार उनका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। अब एक मुद्रित पत्रिका को केवल दूसरी पत्रिका से ही नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल संसार से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि बच्चों ने कहानियों या पढ़ने में रुचि खो दी है। वास्तव में, उनकी पढ़ने की आदतें और अपेक्षाएँ बदल रही हैं। वे ऐसी सामग्री की ओर अधिक आकर्षित होते हैं जो दृश्य रूप से आकर्षक, संवादात्मक, संक्षिप्त और आसानी से उपलब्ध हो। यदि बाल पत्रिकाओं को अपनी प्रासंगिकता बनाए रखनी है, तो उन्हें इस बदलते वातावरण को समझना होगा। हालांकि, सोशल मीडिया की केवल नकल करना इसका समाधान नहीं है।

पहली चुनौती—पहुँच

एक अच्छी पत्रिका तभी उपयोगी है, जब वह वास्तव में अपने पाठकों तक पहुँचे। अनेक बच्चों, विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से आने वाले बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य तक पहुँच अभी भी सीमित हो सकती है। वितरण व्यवस्था, सदस्यता की लागत तथा स्कूलों और पुस्तकालयों में पत्रिकाओं की घटती उपलब्धता बड़ी बाधाएँ बन सकती हैं।

दूसरी चुनौती—बच्चों तक पहुँच और पहचान

डिजिटल युग में बच्चे प्रतिदिन हजारों प्रकार की सामग्री देखते हैं। किसी मुद्रित पत्रिका में उत्कृष्ट सामग्री हो सकती है, लेकिन यदि बच्चों को उसके बारे में पता ही नहीं है, तो वे उसे खोजने का प्रयास नहीं करेंगे। स्कूल, पुस्तकालय, अभिभावक और शिक्षक युवा पाठकों को गुणवत्तापूर्ण बाल पत्रिकाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

तीसरी चुनौती—सामग्री की प्रासंगिकता

आज के बच्चे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, अंतरिक्ष अनुसंधान, रोबोटिक्स, बदलते पारिवारिक ढाँचे और तेजी से विकसित हो रही तकनीक के दौर में बड़े हो रहे हैं। बाल साहित्य को इन विषयों को बच्चों की उम्र और समझ के अनुरूप रोचक तथा कल्पनाशील तरीके से प्रस्तुत करना चाहिए।

कहानियों का उद्देश्य केवल नैतिक शिक्षा देना नहीं होना चाहिए। उन्हें बच्चों में जिज्ञासा, सहानुभूति, रचनात्मकता, प्रश्न पूछने का साहस और स्वतंत्र सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

प्रिंट और डिजिटल का समन्वय

मुद्रित सामग्री को डिजिटल मीडिया से जोड़ने की भी बड़ी संभावनाएँ हैं। बाल पत्रिकाओं का भविष्य केवल कागज और स्क्रीन में से किसी एक को चुनने तक सीमित नहीं होना चाहिए। एक पत्रिका क्यूआर कोड के माध्यम से गतिविधियाँ, ऑडियो कहानियाँ, वैज्ञानिक प्रयोग, संवादात्मक क्विज, चित्र, शिक्षाप्रद वीडियो और अतिरिक्त डिजिटल सामग्री उपलब्ध करा सकती है।

इस प्रकार मुद्रित पृष्ठ एक व्यापक सीखने के अनुभव का द्वार बन सकता है।

लेकिन तकनीक को साधन ही रहना चाहिए, लक्ष्य नहीं। भौतिक पत्रिका की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह बच्चे को कुछ समय के लिए रुकने, ध्यानपूर्वक पढ़ने और सोचने का अवसर देती है। लगातार छोटी-छोटी डिजिटल सामग्री को स्क्रॉल करने की तुलना में कागज पर कहानी पढ़ने का अनुभव अलग होता है। इसलिए बाल पत्रिकाएँ बढ़ते ध्यान-भंग के इस युग में गंभीर और एकाग्र पठन के लिए एक शांत स्थान बन सकती हैं।

स्कूलों की भूमिका

बाल पत्रिकाओं को फिर से बच्चों तक पहुँचाने में स्कूल महत्वपूर्ण भागीदार बन सकते हैं। स्कूल में नियमित ÷बाल पत्रिका पीरियड÷, रीडिंग कॉर्नर या विद्यालय स्तर पर पत्रिकाओं की सदस्यता विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकों से आगे साहित्य की दुनिया से जोड़ सकती है।

शिक्षक विद्यार्थियों को कहानियाँ, कविताएँ, विज्ञान संबंधी लेख और पहेलियाँ लिखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। अपनी रचना को प्रकाशित हुआ देखना बच्चों में उपलब्धि की मजबूत भावना पैदा कर सकता है और उन्हें दूसरों की रचनाएँ पढ़ने के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

पुस्तकालयों का महत्व

पुस्तकालयों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस पुस्तकालय में बाल पत्रिकाएँ उपलब्ध नहीं हैं, वह युवा पाठकों को नए विचारों, रचनात्मक लेखन और सामान्य ज्ञान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर खो रहा है।

सरकारी पुस्तकालय, स्कूल पुस्तकालय और सामुदायिक शिक्षण केंद्र बच्चों के लिए अलग खंड बना सकते हैं, जहाँ बाल पत्रिकाएँ आसानी से उपलब्ध हों।

अभिभावकों की भूमिका

अभिभावक भी बच्चों की पढ़ने की आदतों को प्रभावित कर सकते हैं। पढ़ने को केवल परीक्षा की तैयारी के रूप में देखने के बजाय परिवारों को बच्चों को आनंद और रुचि के लिए पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

जो बच्चा कहानियों, हास्य, विज्ञान और कल्पना में पढ़ने का आनंद खोज लेता है, उसके जीवनभर पुस्तकों से जुड़े रहने की संभावना अधिक होती है।

बदलाव के साथ अपनी पहचान बनाए रखना

बाल पत्रिकाओं का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अपनी पहचान खोए बिना स्वयं को कितना बदल सकती हैं। उन्हें सोशल मीडिया का छोटा संस्करण बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उनकी वास्तविक शक्ति विचारशील सामग्री, कल्पना, भाषा, रचनात्मकता और बच्चों के मन के साथ सार्थक संवाद में है।

शायद वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि बच्चों को अभी भी पत्रिकाओं की आवश्यकता है या नहीं। उन्हें गुणवत्तापूर्ण पठन सामग्री की निश्चित रूप से आवश्यकता है। सवाल यह है कि क्या बाल पत्रिकाएँ आज के बच्चों की दुनिया तक पहुँचने के लिए तैयार और सक्षम हैं? भविष्य उन पत्रिकाओं का होगा जो प्रिंट की विश्वसनीयता को डिजिटल मीडिया की पहुँच से, अनुभवी लेखकों की समझ को युवा पाठकों की आवाज़ से और शिक्षा को कल्पना से जोड़ सकें। बाल पत्रिकाओं को केवल यह इंतजार नहीं करना चाहिए कि बच्चे उन्हें खोजें। उन्हें स्वयं बच्चों के हाथों, कक्षाओं, पुस्तकालयों और डिजिटल जीवन तक पहुँच बनानी होगी।

हरियाली तीज उत्सव में सावन के रंग में रंगा परिषद परिवार

भारत विकास परिषद के सांस्कृतिक सप्ताह का भव्य शुभारम्भ

शिवपुरी जीएनएस

समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद, शाखा शिवपुरी द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह (15 से 22 अगस्त) का शुभारम्भ गत दिवस स्टार गोल्ड होटल में हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. सुनीता गौड़, प्रांतीय संयोजक संस्कृति सप्ताह, श्रीमती रवजीत ओझा, संरक्षक श्रीमती सरला वर्मा, श्रीमती स्नेहलता शर्मा, महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती प्रीति जैन, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती इंद्रा सर्राफ एवं श्रीमती अनुराधा खेमरिया, शाखा अध्यक्ष गणेश धाकड़ एवं सचिव अमित सहगल सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम में परिषद परिवार की महिलाओं ने हरे रंग के आकर्षक परिधानों में शामिल होकर सावन की हरियाली और हरियाली तीज की उमंग को जीवंत कर दिया। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, उल्लास और पारिवारिक आत्मीयता का सुंदर वातावरण देखने को मिला। इसके साथ ही हरियाली तीज के अवसर पर

आयोजित हाउजी एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पंक्चुअलिटी विजेता का पुरस्कार श्रीमती नेहा मंगल को प्रदान किया गया, यहां अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजन का प्रमुख आकर्षण रही जिसमें प्रतिभागी टीमों ने पुराने फिल्मी गीतों एवं मधुर नगमों के माध्यम से शानदार प्रस्तुति दी। जिसमें प्रथम श्रीमती रेणु गोयल, अलका गुप्ता, साधना गोयल, सुनीता जैन, निधि गोयल, सुनीता बिंदल, मधु जैन एवं आभा मित्तल की टीम रही, जबकि द्वितीय श्रीमती सरला वर्मा, सीमा समाधिया, कल्पना अग्रवाल, प्रीति मिश्रा, रीता गुप्ता, सपना गोयल एवं सीमा गोयल, कीर्ति गोयल की टीम एवं तृतीय स्थान पर श्रीमती निधि वर्मा, अंकिता सर्राफ, सुनीता गुप्ता, अनुराधा बंसल, सुनीता अग्रवाल, स्नेहलता शर्मा एवं अनीता जैन की टीम रही। यहां श्रीमती अंजलि शर्मा तीज क्वीन बनी। कार्यक्रम में महिलाओं के आकर्षक परिधान, आत्मविश्वास एवं सहभागिता के आधार पर तीज क्वीन का खिताब श्रीमती अंजलि शर्मा को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिला सहभागिता प्रमुख श्रीमती प्रीति जैन ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं परिषद परिवार की महिलाओं का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात सभी ने सामूहिक रूप से भोजन का आनंद लिया। हरियाली तीज का यह आयोजन संस्कृति, संस्कार, महिला सहभागिता, संगीत और पारिवारिक सौहार्द का सुंदर संगम बनकर सांस्कृतिक सप्ताह के शानदार शुभारम्भ का साक्षी बना।

भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका ने उत्साह के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

शिवपुरी जीएनएस

समाजसेवी संस्था भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका, शिवपुरी द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह श्वेतांबर जैन मंदिर, कोर्ट रोड में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विजय पारिख, सचिव जैन श्वेतांबर संघ एवं वरिष्ठ सदस्य भारत विकास परिषद शिवपुरी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विजय पारिख ने मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री विजय पारिख एवं शाखा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। उपस्थित सभी सदस्याओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान किया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के उद्घोष से पूरा प्रांगण देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। शाखा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल ने भी अपने संबोधन में राष्ट्रसेवा और समाजसेवा के लिए सभी सदस्याओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में शाखा सचिव श्रीमती राखी गोयल ने मुख्य

अतिथि सहित सभी अतिथियों एवं सदस्याओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में 25 सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह के समापन पर सभी उपस्थितजनों को स्वल्पाहार एवं सेवफल वितरित किए गए। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष ऋतु गोयल, सचिव राखी गोयल एवं कोषाध्यक्ष गीता शर्मा सहित भारत विकास परिषद शाखा मणिकर्णिका की सदस्याएं उपस्थित रहीं। देशभक्ति, सेवा और संस्कार के संदेश के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

कलचुरी महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज एवं स्वतंत्रता दिवस

शिवपुरी जीएनएस

कलचुरी महिला मंडल ने होटल लेमन ट्री में हरियाली तीज एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया।कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री शंकर पार्वती जी की पूजा अर्चना , गणेश वंदना एवं राष्ट्रगान के साथ की गई ।नित्या शिवहरे द्वारा बहुत ही सुंदर मनमोहक गणेश वंदना की प्रस्तुति दी ।अध्यक्ष प्रियंका अमित शिवहरे , संरक्षक श्रीमती शकुन शिवहरे , श्रीमती इंदिरा चौकसे, श्रीमती सुंदर शिवहरे ,श्रीमती प्रियंका विवेक शिवहरे ,उपाध्यक्ष मंजू शिवहरे, कोषाध्यक्ष

श्रीमती रेखा शिवहरे, सचिव श्रीमती जयमाला शिवहरे, संगठन मंत्री रीना शिवहरे ने उपहार देकर सभी का स्वागत किया ।उसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्रम में कुमारी हिमांशी शिवहरे द्वारा राष्ट्रभक्ति गीत पर एवं विभा शिवहरे, रूबी शिवहरे, प्रियंका शिवहरे ,जयमाला शिवहरे, हिमांशी चौकसे, मीना चौकसे, अर्चना शिवहरे, प्रियंका शिवहरे ,ममता शिवहरे , मीनू शिवहरे, गौरी शिवहरे ,निहारिका शिवहरे द्वारा भी सावन एवं झूले के गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी गई। कार्यकारिणी द्वारा सभी सदस्यों को सैश एवं क्राउन पहनकर हरियाली तीज क्वीन बनाया सभी सभी ने रैंप वॉक कर अपना जलवा बिखेरा। सभी ने खेल एवं झूले का आनंद लिया ।विभिन्न खेलों में ममता शिवहरे, शकुन शिवहरे, साक्षी शिवहरे एवं अल्पना चौकसे विजेता रही। मंच संचालन मीना चौकसे द्वारा किया गया । अंत में अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका अमित शिवहरे द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति एवं धर्म का सुंदर समागम देखने को मिला।

भटनावर पंचायत भवन एवं शा.उ.मा विद्यालय पर सरपंच संजय अवस्थी ने किया ध्वजारोहण

शिवपुरी जीएनएस

80 वां स्वतंत्रता दिवस जिलेभर मे बडी धूमधाम के साथ मनाया गया वहीं पोहरी विधानसभा के भटनावर पंचायत भवन एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरपंच संजय अवस्थी के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए वहीं वरिष्ठ अतिथि के रूप में थाना प्रभारी सीमा वर्मा, पूर्व प्राचार्य यादव गुरुजी, श्रीराम वर्मा प्राचार्य और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में 80 वे स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय सांस्कृतिक और शैक्षिक भावनाओं से ओत प्रोत होकर मनाया गया। मुख्य अतिथि सरपंच संजय अवस्थी और पूर्व प्राचार्य यादव गुरु, वर्तमान प्राचार्य श्रीराम वर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा एवं शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर व ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से किया। मंच संचालक डॉ. नंदकिशोर नामदेव और समस्त विद्यालय स्टाफ ने अतिथियों का स्वागत शाब्दिक एवं माल्यार्पण से किया। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 12 तक के 80 छात्र-छात्राओं ने 15 विभिन्न कार्यक्रमो की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। जिसमें मुख्य रूप से श्रीगणेशा देव, बाल विवाहप्रथा,सोशल मीडिया दुरुपयोग नाटिका, अनेकता में एकता नाटक, देशभक्ति गीत, भाषण आदि इस आजादी पर्व को रेखांकित करने वाले देश भक्ति सॉन्ग और राष्ट्रीय, सामाजिक मूल्यों से परिपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि सरपंच संजय अवस्थी ने सभी कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं की प्रशंसा करते हुए उनको उपहार स्वरूप धनराशि एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया। साथ ही बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को 2100 रुपए की राशि से सम्मानित किया गया।

डीआईजी राजीव लोचन शुक्ल ने किया ध्वजारोहण, बच्चों द्वारा वाहिनी कैम्प परिसर में निकाली तिरंगा रैली

दूरसंचार वाहिनी, भा.ति.सी.पु. बल में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ मना

शिवपुरी

दूरसंचार वाहिनी भा.ति.सी.पु.बल के कैम्प परिसर में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत गरिमामय, हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि राजीव लोचन शुक्ल, उप महानिरीक्षक द्वारा वाहिनी मेमोरियल पर भारत के वीर शहीदों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके उपरांत उप महानिरीक्षक एवं समस्त पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रगीत गाया गया तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर सामूहिक राष्ट्रगान गाया गया। तिरंगे के लहराते ही परेड कमांडर के नेतृत्व में सुसज्जित परेड द्वारा तिरंगे को सलामी दी गई।

मुख्य अतिथि द्वारा अपने संबोधन में उपस्थित अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, हिमवीरों, हिमवीरांगनाओं एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। उसके उपरांत बल के उन पदाधिकारियों के नाम पढे गए, जिन्हें भारत सरकार की ओर से विशिष्ट सेवा व सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक से अलंकृत किया गया है। ध्वजारोहण के पश्चात वाहिनी के परेड ग्राउण्ड में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. सुषमा शुक्ला, चीफ एक्जीक्यूटिव, हावा के नेतृत्व में समस्त हावा सदस्याओं एवं बच्चों द्वारा वाहिनी कैम्प परिसर में तिरंगा रैली एवं सावन तीज पर्व कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, इसके अतिरिक्त परेड ग्राउण्ड में विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में वाहिनी के समस्त पदाधिकारी एवं हावा सदस्यों व बच्चों के साथ वाहिनी के ए.ओ.आर. में निवासरत् बल के सेवानिवृत्त पदाधिकारियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जनपद लहार में मेगा कृषि ऋण संपर्क कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पात्र ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र के साथ वितरित ऋण के चेक भी प्रदान किए गए

भिण्ड, जीएनएस।
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर द्वारा जनपद पंचायत लहार जिला भिण्ड में एक भव्य मेगा कृषि ऋण संपर्क कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आंचलिक कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक श्री नरेश अहिरवार, सीईओ जनपद पंचायत श्री आकाश धारवे, क्षेत्रीय कार्यालय से क्षेत्रीय प्रमुख श्री धर्मेन्द्र कुमार, तथा अग्रणी जिला प्रबंधक भिण्ड श्री जितेंद्र कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक भिण्ड श्री अमृतलाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कृषक भाइयों एवं बहनों को तथा स्वसहायता समूह के सम्मानित ग्राहकों का पुष्पगुच्छ एवं ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बैंक द्वारा कृषि क्षेत्र के लिए संचालित विभिन्न ऋण योजनाओं, जैसे सेन्ट किसान क्रेडिट कार्ड, सेन्ट कोल्ड स्टोरेज, सेन्ट पीएफएमई, आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा कृषकों को उपलब्ध विभिन्न वित्तीय सुविधाओं एवं ऋण विकल्पों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान पात्र ग्राहकों को ऋण स्वीकृति पत्र के साथ वितरित ऋण के चेक भी प्रदान किए गए।

यह कार्यक्रम कृषि क्षेत्र के प्रति सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ ही यह ग्रामीण विकास को गति प्रदान करने, वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र निर्माण में बैंक की सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका का एक उल्लेखनीय उदाहरण रहा।

एसडीएम गोहद ने तत्कालीन पटवारी कस्बा गोहद को किया निलंबित

भिण्ड, जीएनएस।
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोहद श्री विकास कैमोर ने तत्कालीन पटवारी श्री संदीप जैन कस्बा गोहद को पदीय कर्तव्यों का दुरूपयोग तथा भूमि संबंधित अभिलेखों में हेरफेर करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोहद श्री कैमोर ने बताया है कि शिकायतकर्ता संतोबाई बेवा बलराम, माताप्रसाद आदि पुत्रगण बलराम समस्त निवासी बडा बाजार गोहद हाल निवास ग्राम मेला खुर्द जनपद पंचायत मुरार जिला ग्वालियर के द्वारा आयुक्त चंबल संभाग मुरैना को शिकायती आवेदन पत्र प्रस्तुत कर कस्बा गोहद स्थित भूमि सर्वे नंबर 3704, 3705, 3706, 3707, 3708, 3752/1, 3753 कुल किता 07 कुल रकवा 8.819 है. भूमि में आवेदक बलराम पुत्र रतीराम का हिस्सा रकवा 0.401 है. भूमि का भूमिस्वामी एवं आधिपत्यधारी है तथा आवेदक का नाम उक्त भूमि पर वर्ष 2020-21 से वर्ष 2023-24 तक भूमिस्वामी के रूप में दर्ज रहा। वर्ष 2024-25 में भूमि सर्वे नंबर 3704 रकवा 1.0030 के हिस्सा 4010/88190 पर बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के रामकुमार पुत्र पंजाब सिह गुर्जर गोहद का नाम दर्ज किये जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में श्री संदीप जैन, पटवारी को दिनांक 21 नवम्बर 2025 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था, जिसका जवाब निर्धारित समय-सीम में प्रस्तुत नहीं किया गया। तत्पश्चात् दिनांक 15 जुलाई 2026 को पुनः स्मरण पत्र जारी किया गया, जिसका जवाब दिनांक 30 जुलाई 2026 को प्रस्तुत किया गया, जो कि संतोषजनक नहीं पाया गया। उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट प्रदर्शित होता है कि तत्कालीन पटवारी श्री संदीप जैन कस्बा गोहद के द्वारा अपने पदीय कर्तव्यों का दुरूपयोग होना प्रतीत होता है।

सिंध नदी के नवीन पुल पर डीसीएम की टक्कर से युवक की मौत

सेवढ़ा, जीएनएस।
सिंध नदी के नवीन पुल पर मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सेवढ़ा से ग्वालियर की ओर जा रही डीसीएम ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सेवढ़ा के वार्ड क्रमांक 15 निवासी रिंकू उर्फ बौरे पिता पुत्ती बालमीक के रूप में हुई है। बताया गया है कि युवक सिंध नदी के नवीन पुल पर मौजूद था, तभी तेज रफ्तार डीसीएम ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, फिलहाल इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस डीसीएम वाहन और चालक से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। इधर, रिंकू की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से वार्ड क्रमांक 15 सहित आसपास के क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। पुलिस मामले में वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

हेलमेट के लिए जागरूकता, आवारा पशुओं के लिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर पैनी नजरमैदान में उतरकर जिम्मेदारी निभा रहे थाना प्रभारी सेंगर

अमोला। पुलिस की पहचान सिर्फ अपराधियों पर कार्रवाई करने से नहीं होती, बल्कि जनता के बीच उसकी असली पहचान तब बनती है जब पुलिस किसी समस्या को देखकर उसे अपनी जिम्मेदारी समझे और समाधान के लिए स्वयं मैदान में उतर आए। अमोला थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह सेंगर की कार्यशैली इन दिनों इसी सकारात्मक सोच और संवेदनशील पुलिसिंग की मिसाल पेश कर रही है। सड़क सुरक्षा, यातायात अनुशासन, बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को जागरूक करना और सड़क पर घूम रहे आवारा पशुओं की सुरक्षा जैसे विषयों पर उनकी सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

सड़क पर पशु दिखे तो पुलिस बनी सहारा

सड़कों पर घूमते आवारा पशु वाहन चालकों और स्वयं पशुओं के लिए खतरा बन सकते हैं। अचानक सड़क पर पशु आ जाने से दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे समय में थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह सेंगर का पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचना और पशुओं को सुरक्षित तरीके से सड़क से हटाने में सहयोग करना उनकी संवेदनशील कार्यशैली को दर्शाता है। यह तस्वीर अपने आप में संदेश देती है कि वर्दी का दायरा केवल अपराध और कानून तक सीमित नहीं है। बेजुबान जीवों की सुरक्षा और सड़क पर आम नागरिकों की जान बचाने की चिंता भी जिम्मेदार पुलिसिंग का हिस्सा है। वाहन चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को रोककर हेलमेट पहनने की समझाइश देना थाना प्रभारी सेंगर की जागरूकता आधारित पुलिसिंग का उदाहरण है। हेलमेट केवल यातायात नियम नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा साधन है। थाना प्रभारी की पहल का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि वाहन चालकों को केवल कार्रवाई के डर से नहीं, बल्कि अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करने का संदेश दिया जा रहा है। योगेंद्र सिंह सेंगर की कार्यशैली की खास बात यह नजर आती है कि वे केवल अधीनस्थ कर्मचारियों को निर्देश देकर पीछे नहीं रहते, बल्कि स्वयं भी सड़क पर मौजूद।

भिंड- ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग 719 पर हुआ भीषण सड़क हादसा बेहद दुखद और हृदयविदारक है...

प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर मृतकों के परिवार से मिले

गोहद चौराहे के पास ट्रक और लोडिंग वाहन की भिड़ंत में 8 लोगों की जान चली गई और दो दर्जनों लोग घायल हुए हैं।।

मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।। ??

लेकिन आज सवाल सिर्फ संवेदना का नहीं, जवाबदेही का भी है।।

आखिर सरकार कब जवाब देगी।

कब तक इस हाईवे पर ऐसे ही दर्दनाक हादसे होते रहेंगे?

कब तक परिवार अपने अपनों को खोते रहेंगे। इस हाईवे को 6-लेन बनाने का काम आखिर कब शुरू होगा। सरकार से मांग है कि इस मार्ग की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए 6-लेन निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर प्रभावी रोक लग सके और लोगों की जान सुरक्षित हो सके।। जनता को सिर्फ आश्वासन नहीं, सुरक्षित सड़क और ठोस कार्रवाई चाहिए।

जनसुनवाई में हितग्राहीयों की समस्याएं सुनीं

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस में वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता द्वारा जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है 25 प्रकरणों में 15 का निराकरण किया बाकी प्रकरणों में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरीत प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के सुपरीटेंडेंट इंजीनियर डी. डी. मिश्रा, संपदा अधिकारी बृजेश शर्मा, ई.ई. सुनील शुक्ला अकाउंट ऑफिसर तकनीक शाखा प्रभारी,वरिष्ठ लेखा अधिकारी, ऑफिस सुपरीटेंडेंट, प्रभारी भूखंड, संदीप तिवारी प्रभारी भूखंड मनोज माथुर, अशोक इंग्ले सहित सेक्सन के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

एम.एल.बी. कॉलेज में दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन, विद्यार्थियों ने सीखे वैदिक मैथ के गुर

ग्वालियर, जीएनएस।
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ग्वालियर में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश कुमार अग्रवाल के संरक्षण में आज दिनांक 18 अगस्त 2026 को वैदिक गणित एवं रीजनिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला का उद्घाटन करते स्वामी विवेककनन्द कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. रवि शंकर पाठक ने कार्यशाला की

विषय वस्तु बताते कहा कि प्रकोष्ठ समय समय पर ऐसे कार्यकर्मो का आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कर्यत्रकम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे स्वामी विवेकानकन्द कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संभागीय नोडल अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने अपने उद्बोधन में में प्रकोष्ठ के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास एवं अपनी क्षमता को परखने एवं उस पर काम करने पर जोर दिया। टाइम्स इंस्टीटूट से पधारे जे. पी. गुप्ता द्वारा वैदिक गणित की शार्ट ट्रिक्स के साथ विद्यार्थियों की प्रैक्टिस करवाई। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ के वालंटियर आरती आहूजा ने किया एवं अतिथियों का आभार प्रदर्शन डॉ. रवि शंकर पाठक ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकगण एवं 72 विद्यार्थी मौजूद रहे।

तहसीलदार अमित दुबे को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील भाण्ड़ेर का प्रभार..

दतिया। प्रशासकीय कार्य सुविधा की दृष्टि से कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े द्वारा आदेश जारी कर श्री अमित दुबे तहसीदार ग्रामीण तहसील दतिया एवं राजस्व वृत्त उद्गंवा तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ग्रामीण तहसील दतिया के स्थान पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसील भाण्ड़ेर का प्रभारी आगामी आदेश तक सौंपा है।

कुशवाह महासभा की बैठक 20 तारीख को दोपहर 12ः00 बजे से,,,,,

पोरसा। कुशवाह महासभा की एक आवश्यक बैठक 20 अगस्त दिन शुक्रवार को कुशवाह महासभा धर्मशाला पोरसा में दोपहर 12ः00 से आयोजित होगी कुशवाह महासभा के अध्यक्ष रामसहाय कुशवाह एवं सचिव जोधाराम कुशवाह जी संयुक्त रूप से हमारे प्रतिनिधि को बताया कि कुशवाह महासभा के नवीन चुनाव एवं महासभा की कार्यकारिणी गठन एवं समाज के हितार्थ समाज सुधार के लिए उक्त बैठक का आयोजन किया जा रहा है जिसमें तहसील पोरसा के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र के कुशवाह समाज बंधु उपस्थित होकर भाग लेंगे।

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के लिए 4 करोड़ 59 हजार रुपये से अधिक की राशि जारी

भोपाल, जीएनएस। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य को सुदृढ़ वित्तीय संबल प्रदान करने के ध्येय से शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए %पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना% में 4 करोड़ 59 हजार 284 रुपये की राशि जारी की गई है। इस जनकल्याणकारी पहल के माध्यम से राज्य के 9 मेधावी विद्यार्थियों को विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उच्च अध्ययन के लिए समयबद्ध रूप से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है, जिससे ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में किसी प्रकार की आर्थिक बाधा उत्पन्न न हो।

आयुक्त डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर की संवेदनशीलता, सुदृढ़ मंशा एवं मार्गदर्शन के अनुरूप विभाग पिछड़े वर्ग के सर्वांगीण विकास एवं शैक्षणिक उन्नयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि चयनित विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क, आवास व्यवस्था तथा परिवहन भत्ते सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए कुल 4 करोड़ 59 लाख 284 रुपये की राशि अंतरित कर दी गई है।

यह विभाग की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से प्रतिभावान विद्यार्थियों को विश्व के प्रमुख विश्वविद्यालयों में अध्ययन का सुअवसर प्राप्त होता है तथा इसका संपूर्ण आर्थिक भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाता है। राज्य सरकार का यह समयानुकूल कदम पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के मध्य उच्च शिक्षा के प्रति नए उत्साह एवं विश्वास का संचार करने तथा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वावलंबी बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। विभाग की इस पारदर्शी एवं समयानुसार कार्यप्रणाली से प्रदेश की विलक्षण प्रतिभाएं वैश्विक क्षितिज पर अपनी दक्षता सिद्ध कर सकेंगी, जिससे न केवल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का सशक्त आधार तैयार होगा बल्कि राज्य के शैक्षणिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण को भी नई दिशा प्राप्त होगी।

अरवल में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देशभक्ति और मां की ममता का खूबसूरत संगम देखने को मिल रहा है। गांधी मैदान में वंदे मातरम् की गूंज के बीच मंच पर अरवल एसपी डॉ. नवजोत सिमी अपने चार वर्षीय बच्चे के साथ मौजूद थीं। तिरंगे के सम्मान में पूरा मंच खड़ा था, तभी मासूम बच्चा खेलते-खेलते मंच के आगे बढ़ने लगा। बच्चे को आगे जाता देख मां की चिंता साफ नजर आई। एसपी डॉ. सिमी ने तुरंत बच्चे को अपने पास बुलाकर संभाला और उसकी सुरक्षा का ख्याल रखा। खास बात यह रही कि इस दौरान उन्होंने देशभक्ति के उस पल की मर्यादा और तिरंगे के सम्मान को भी बनाए रखा।

संदिग्ध परिस्थितियों किशोरी की मौत पर ट्रामा सेंटर में हंगामा, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

फिरोजाबाद, जीएनएस। थाना उत्तर क्षेत्र के कृष्णा नगर में रविवार देर रात एक 14 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में तबीयत बिगड़ने और इलाज के दौरान मौत होने पर परिजनों ने ट्रामा सेंटर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों पर समय से इलाज न देने व लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति को संभाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

कृष्णा नगर निवासी प्रताप चौहान की 14 वर्षीय पुत्री साक्षी चौहान उर्फ श्वेता, जो कक्षा छह की छात्रा थी, को अचानक पेट में तेज दर्द उठा। परिजनों के मुताबिक, तबीयत बिगड़ने पर वे आनन-फानन में उसे लेकर ट्रामा सेंटर पहुंचे, जहां प्रारंभिक परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा को मृत घोषित करते ही परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी बच्ची को समय से उपचार नहीं मिला, जिससे उसकी हालत बिगड़ती गई और उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने ट्रामा सेंटर परिसर में ही स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की और हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस के आश्वासन पर दो घंटे बाद शांत हुआ मामला, पर्यटन मंत्री तक पहुंचा मामला सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। आक्रोशित परिजनों को समझा-बुझाकर जांच का भरोसा दिया। इसी बीच परिजन ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को फोन लगाकर सीएमओ को निलंबित करने की मांग।

चंदननगर में 31वें सावन मेले का आगाज शिव आराधना से गूंजा मेला परिसर

फिरोजाबाद, जीएनएस। चंदननगर, सुहागनगर स्थित सावन मेला ग्राउंड में सोमवार को श्री सनातन धर्म भुजरियों विसर्जन समिति की ओर से 31वें सावन मेले का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह की शुरुआत भगवान शिव की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद अतिथियों ने मेला परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में नगर महापौर कामिनी राठौर और नगर विधायक मनीष असीजा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन सुशील सिंह ने किया। महानगर मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष देश दीपक गुप्ता, गीता राठौर, सारिका गुप्ता, विष्णु राठौर, विष्णु गुप्ता और अंकित गुप्ता भी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह और आयोजक संतोष यादव, राजेश राठौर व सुभाष चक ने अतिथियों का स्वागत कर आभार जताया।भजन, झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे सावन मेले में धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या, आकर्षक झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति ने नगरवासियों से मेले में पहुंचकर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने की अपील की है।

कोटेदारों का लाभांश 90 से बढ़कर 125 रुपये प्रति कुंतल, फिरोजाबाद में लाइव प्रसारण

फिरोजाबाद, जीएनएस। प्रदेश सरकार ने उचित दर विक्रेताओं (राशन कोटेदारों) के हित में बड़ा फैसला लेते हुए उनके लाभांश में बढ़ोतरी की है। कोटेदारों का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल कर दिया गया है। सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के 78 हजार से अधिक उचित दर विक्रेताओं को लाभ मिलेगा।

सोमवार को तहसील सदर के सभागार में इस संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सदर विधायक मनीष असीजा और

मेयर कामिनी राठौर की मौजूदगी में लखनऊ से आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम में सिंगल स्टेज डोर-स्टेप डिलीवरी के तहत ई-पॉस आधारित उचित दर विक्रेता फीडबैक प्रणाली का भी शुभारंभ किया गया। विधायक मनीष असीजा ने कहा कि उचित दर दुकानों के माध्यम से राशन विक्रेताओं को आय बढ़ाने के साथ उपभोक्ताओं से बेहतर संबंध बनाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कोटेदारों से ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की। दुकानों पर बाजार दर के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही घटिया उत्पाद, अधिक सामान बेचने, जबरदस्ती और उपभोक्ताओं के शोषण से बचने की हिदायत दी। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार के इस फैसले से शासन और आम जनता के बीच विश्वास और मजबूत होगा।

कोटेदारों को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को खाद्यान्न उपलब्ध कराना होगा।उन्होंने कहा कि राशन दुकानों पर घटतौली, कालाबाजारी और निर्धारित दर से अधिक वसूली किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पटवारी दीवान सिंह राजपूत निलंबित

ग्वालियर। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान को प्राप्त शिकायत की जांच में राजस्व अभिलेखों से संबंधित कार्यों में अनियमितता प्रमाणित पाए जाने पर एसडीएम ग्वालियर सिटी ने पटवारी दीवान सिंह राजपूत को निलंबित कर दिया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शिकायत प्राप्त होने के बाद एसडीएम ग्वालियर सिटी को मामले की जांच के निर्देश दिए थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि पटवारी द्वारा एसएआरए 2.0 पोर्टल पर दर्ज नामांतरण प्रकरण में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तथा राजस्व अभिलेखों में अनियमितता की गई। शिकायत सही पाए जाने पर एसडीएम ग्वालियर सिटी ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत यह कार्रवाई की।

गरीब, मजदूर, दलित और वंचित महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए 2500 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जाएं

उत्तरप्रदेश,संजय सागर सिंह। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाज में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण अपील की गयी हैं। समाजसेवी पंकज जैन ने प्रदेश की योगी सरकार से अपील करते हुए कहा कि नारी शक्ति किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। महिलाओं का सम्मान, शिक्षा और सशक्तिकरण ही एक सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। जब बेटियां एवं महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत होंगी, तो परिवार के साथ पूरा समाज और राष्ट्र भी सशक्त होगा। उन्होंने आगे कहा कि उत्तरप्रदेश में अब तक किसी भी मुख्यमंत्री ने नहीं किया वो काम योगीजी की सरकार कर रही हैं। उत्तरप्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण योजनाएं चला रही है और महिलाओं के उत्थान के लिए सकारात्मक कार्य भी किए जा रहे हैं। बेटियों महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए योगी सरकार अच्छा काम कर रही हैं। लेकिन कई जगह देखा गया हैं कि जमीनी स्तर पर व्यवस्था में मौजूद कुछ देश विरोधी, संविधान विरोधी, योगी-मोदी जी विरोधी एवं हिन्दू समाज को बांटने बाले ऐसे तत्व भी हैं जो मोदी-योगी से जलन के कारण सरकार की योजनाओं को सही तरीके से गरीब, मजदूर, दलित और वंचित महिलाओं तक पहुंचने ही नहीं देते और समय समय पर तरह तरह की अड़चन पैदा करते हैं।

सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा और औरंगाबाद चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा को बैच लगाकर और बुके देकर किया सम्मानित

वाराणसी, जीएनएस। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पुलिस परिवार के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वार्ड नंबर 22 नगवा-लंका के पार्षद प्रतिनिधि एवं पूर्व किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष अमित मौर्यवंशी ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया तथा स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं 7 इसी क्रम में औरंगाबाद चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा को बैच लगाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया 7 अमित मौर्यवंशी ने उनके कर्तव्यनिष्ठ एवं सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं 7 इस दौरान उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा के साथ स्वतंत्रता दिवस का उत्सव भी मनाया गया 7 इसके उपरांत अमित मौर्यवंशी ने

सिगरा थाने पहुंचकर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवं वर्तमान सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा से किया मुलाकात जिसके बाद सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा को बैच लगाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट पुलिस कार्यों के लिए बधाई दी 7 उन्होंने कहा कि शिवाकांत मिश्रा ने लंका एवं कैंट थाना प्रभारी के रूप में भी अपनी सेवाओं के दौरान बेहतर कानून- व्यवस्था एवं जनसेवा के लिए उल्लेखनीय कार्य किए है काशी में उनके कार्यों के प्रति लोगों में विशेष सम्मान है।

हिन्दी दैनिक
श्रमसाधना
आपकी दुःख की घड़ी में
श्रमसाधना सदैव आपके साथ है
उठावनी/रस्म पगड़ी
का प्रकाशन
निःशुल्क
सम्पर्क करें
ग्वालियर
☎0751-2625029
9074257600
शिवपुरी
☎07492-232149
8251071286
E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

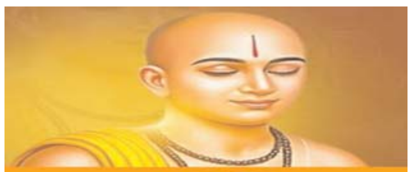

तुलसी जयंती पर विशेष

राम-नाम की ज्योति जलाई...!
वह रामचरित के रचयिता, भक्ति-भाव के गायक,
जन-जन के मन में बसें, तुलसीदास महानायक।
शब्दों में उन्होंने ҕमर्यादाҕ रखी चौपाई में संस्कार,
राम-नाम की ज्योति जलाई, मिटा दिया अंधकार।
अवधी की मीठी बोली में, भक्ति का है रस घोला,
मानस बन घर-घर पहुँचे, हर मन का पट खोला।
राम में देखा सत्य सनातन और सीता में विश्वास,
यूं हनुमत सेवा से सीखें, भक्ति का मधुर प्रकाश।
न धन माँगा, न यश चाहा, बस प्रभु का गुणगान,
तुलसी ने साहित्य जगत को दिया अमर वरदान।
आज तुलसी जयंती पे हम, श्रद्धा से शीश नवाएँ,
उनके बताए सत्य-धर्म के, पथ पर कदम बढ़ाएँ।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में 127 आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

सेवानिवृत्त शिक्षक श्री वाजपेयी के स्वत्वों का जल्द भुगतान होगा, जन-सुनवाई ने दिया सहारा

ग्वालियर, जीएनएस। सेवानिवृत्त सहायक विज्ञान शिक्षक श्री विजय शंकर वाजपेयी के शेष स्वत्वों का भुगतान जल्द होगा। जन-सुनवाई ने उन्हें सहारा दिया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से उनके प्रकरण की रिपोर्ट मंगवाई है। साथ ही भुगतान में हो रही देरी के लिये जिम्मेदारी निर्धारित कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में पहुँचकर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री विजय शंकर ने आवेदन देकर अपनी व्यथा सुनाई थी, जिसे कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इसे गंभीरता से लिया गया है।

जौरासी निवासी श्री ज्ञान सिंह पारदी के खेत के रास्ते में खड़े बड़े-बड़े बाँस और हाईटेंशन लाइन की वजह से आ रही दिक्कत जल्द दूर होगी। इसी तरह एक प्राइवेट स्कूल द्वारा छात्रा को टीसी न दिए जाने संबंधी समस्या का समाधान भी होगा। जन-सुनवाई में सामने आई इसी प्रकार की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को हुई जन-सुनवाई में 127 आमजनों की समस्यायें सुनी गईं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत व एडीएम श्री सी बी प्रसाद सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत विशेष रूप से नगर निगम के अधिकारियों को दी गई। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया। जन-सुनवाई में प्राप्त हुए कुल 127 आवेदनों में से 85 आवेदन दर्ज किए गए। शेष 42 आवेदन विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में निराकृत करने के लिये आवश्यक टीप दर्ज कर दिए गए।

अप्रेन्टिसशिप युवा संगम एवं रोजगार व स्वरोजगार मेला 25 को

10 कंपनियाँ आ रही हैं भर्ती करने

ग्वालियर, जीएनएस। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप 25 अगस्त को प्रातः 11 बजे से गदाईपुरा रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर में स्थित जिला रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप युवा संगम का आयोजन होगा। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण शाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रहे इस रोजगार मेले में आकर्षक पैकेज पर निजी क्षेत्र की 10 कंपनियां भर्ती के लिये आ रही हैं।

उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार युवा संगम में भर्ती करने आ रही कंपनियों में क्विक आईटी सॉल्यूशन इन कंसल्टेंसी ग्वालियर, पेटीएम सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, भारत पे प्राइवेट लिमिटेड ग्वा0, आई सेक्ट ग्वालियर, टीमलीस प्राइवेट लिमिटेड भोपाल, इन्दौर, दिल्ली, जमुना आटो प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, एस0 आर0 एफ0 प्राइवेट लिमिटेड मालनपुर, भारतीय एक्सा लाइफ इन्श्योरेंस ग्वालियर, सेनेटस प्राइवेट लिमिटेड ग्वा0 एवं जॉबफेयर नाउ प्राइवेट लिमिटेड आदि शामिल हैं।

इन पदों के लिये होगी भर्ती: इन कंपनियों द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, ट्रेनी वर्कर, मशीन ऑपरेटर असिस्टेंट मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर, डिस्ट्री मैनेजर इलेक्ट्रीशियन, अभिकर्ता, अप्रेटिंस ट्रेनी, सैल्स एग्ज्यूकेटिव, फील्ड सैल्स एग्ज्यूकेटिव, ट्रेनीज, ऑफिस मैनेजमेंट, सिक्योरिटी मैनेजमेंट, पर्यवेक्षक, स्टोर कीपर, कार्यालय सहायक, हेल्पर, सुरक्षा जवान, दूर गाइड, असिस्टेंट मैनेजर, सुपरवाईजर, टेली कॉलर, ड्रायवर, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में, डिप्लोमा आई.टी.आई. सभी ट्रेड में. डिप्लोमा, आई.टी.आई. सभी ट्रेड में सी, फिटर, टर्नर एवं मशीनिष्ट एवं आई.टी.आई. सभी ट्रेड में इत्यादि पदों पर भर्ती विभिन्न क्षेत्र के सेक्टर के लिये की जायेगी। रोजगार मेले में 18 वर्ष से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। वेतनमान 10 हजार से 45 हजार रुपए तक देय होगा। प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिये युवाओं को समग्र आईडी, रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में उपस्थित होने वाले युवक-युवतियों के लिये कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

नवागत थाना प्रभारी अभिषेक राय ने संभाला भरौली थाने का जिम्मा, जनता के लिए दिया खास संदेश

भिंड, जीएनएस। जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा प्रशासनिक फेरबदल के तहत नए थाना प्रभारियों की नियुक्ति की गई थी, जिसमें उप निरीक्षक अभिषेक राय ने आज भारौली थाने की पद ग्रहण किया7 भरौली क्षेत्र की जनता से नवागत थाना प्रभारी अभिषेक राय ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आमजन अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर बेझिझक पुलिस के पास आएं। पुलिस जनता की सुरक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेगा ।

आवेदन के बाद भी नहीं हुई सुनवाई, सब्जी मंडी के छोटे व्यापारियों की बढ़ी परेशानी

मालनपुर, जीएनएस। नगर परिषद मालनपुर में आवेदन और मौखिक शिकायत करने के बावजूद सब्जी मंडी के छोटे व्यापारियों की समस्याओं का समाधान नहीं होने से उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि मंडी में नाला निर्माण का कार्य तो पूरा हो गया, लेकिन नाले के किनारे छोड़े गए गहरे गड्ढों के कारण उन्हें रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सब्जी व्यापारियों के अनुसार, इन गड्ढों के कारण दुकान तक सामान पहुंचाने और निकालने में काफी दिक्कत होती है। बारिश के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है। व्यापारियों का आरोप है कि समस्या को लेकर नगर परिषद अधिकारियों को कई बार मौखिक रूप से अवगत कराया गया तथा लिखित आवेदन भी दिया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। व्यापारियों का

कहना है कि अधिकारियों से फोन पर संपर्क करने का प्रयास भी किया गया, लेकिन कई बार कॉल रिसीव नहीं होने के कारण अपनी समस्या बताने में भी परेशानी आ रही है। उनका आरोप है कि मंडी के कुछ बड़े प्रतिष्ठानों और दुकानों के आसपास नगर परिषद द्वारा मिट्टी डलवाकर गड्ढों को भरवाया गया, लेकिन छोटे सब्जी व्यापारियों की समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। छोटे व्यापारियों ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या नगर परिषद की सुविधाएं केवल बड़े दुकानदारों के लिए हैं? यदि नगर परिषद द्वारा गड्ढों को भरने और रास्ता सुगम बनाने की व्यवस्था की जा सकती है, तो छोटे सब्जी व्यापारियों के लिए ऐसा क्यों नहीं किया जा रहा?

व्यापारियों ने नगर परिषद अधिकारियों से मांग की है कि सब्जी मंडी में नाले के किनारे बने गहरे गड्ढों में शीघ्र मिट्टी डलवाकर रास्ता समतल कराया जाए, ताकि उन्हें सुरक्षित तरीके से अपना व्यापार करने में सुविधा मिल सके।

सभी स्कूलों में बिजली, पानी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं : डीएम

श्योपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान निर्देश दिये कि सभी स्कूलों में बिजली और पानी की सुविधाएं सुनिश्चित की जायें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों का निरीक्षण करायें तथा ऐसे विद्यालय जिनमें अभी भी बिजली और पानी की व्यवस्थाएं नही हैं, वहां पर यह सुविधाएं सुनिश्चित की जायें।

उन्होंने सभी बालिका शौचालयों को फंक्शनल बनाये रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विद्यालयों में बालिका शौचालयों की सुविधा सुनिश्चित की जायें। इसके साथ ही उन्होंने स्कूल भवनो की रिपोर्ट प्रस्तुत नही करने पर डीपीसी श्री भूपेन्द्र शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये।

उन्होंने कहा कि जून माह में ही सभी विद्यालयों के भवनों का भौतिक सत्यापन कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये थे, जिसके संबंध में रिपोर्ट अभी तक अप्राप्त है। इसके साथ ही टीबी रोगियों को मानक अनुसार फूड बॉस्केट वितरण नही किये जाने पर क्षय रोग अधिकारी डॉ यतेन्द्र रावत एवं कृषको की ग्रामवार जानकारी उपलब्ध नही कराने पर उप संचालक कृषि श्री जीके पचौरिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कहा कि श्री गुरू रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के तहत 20 अगस्त से 10 सितंबर तक आयोजित होने वाली कलश रथ यात्रा आयोजन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाये। उन्होंने प्रभारी एलडीएम को निर्देश दिये विभिन्न रोजगारमूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृति एवं वितरण की जानकारी पाक्षिक रूप से प्रस्तुत की जायें। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि की प्रतिदिन समीक्षा किये जाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि तहसील कराहल, वीरपुर एवं विजयपुर में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के कार्य में ओर अधिक प्रगति लाई जायें। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि गोरस-शिवपुरी रोड का निर्माण कार्य अभी श्योपुर जिले अंतर्गत शुरू करने तथा एमपीयूडीसी के अधिकारियों को पाईपलाइन बिछाने के बाद सडक का रिस्टोरेशन शीघ्रता से करने के निर्देश भी दिये। ब्रिज कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि मानपुर पुल पर एक साइड में एप्रोच मार्ग का सीसी कार्य शेष है, एक सप्ताह में कार्य शुरू कराया जायेगा, वर्तमान में मानपुर पुल से ट्रैफिक निकलने की वैकल्पिक व्यवस्थाएं कर दी गई है तथा आवागमन शुरू कराया गया है।

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ थाना बेलगढ़ा पुलिस की कार्यवाही

बेलगढ़ा पुलिया पर चेकिंग में पुलिस ने बुलेरो सवार 02 तस्करों को पकड़कर उनके कब्जे से 57 किलो 600 ग्राम गांजा किया जप्त

ग्वालियर, जीएनएस। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देष पर ग्वालियर जिले में अवैध मादक पदार्थो की खरीद-फरोख्त करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में रेंडम वाहन चेकिंग कर संदिग्ध व्यक्तियों की तलाषी लेने हेतु निर्देषित किया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुक्रम में एसडीओपी भितरवार श्री गगन हनवत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बेलगढ़ा उनि0 महेन्द्र कुमार प्रजापति के द्वारा आज दिनांक 17.08.2026 को थाना बल की टीम को बेलगढा पुलिया के सामने संदिग्ध वाहन चालकों की धरपकड़ हेतु लगाया गया। दौराने चेकिंग एक सफेद कलर की बुलेरो गाडी पुलिस चेकिंग को देखकर गाडी का चालक पीछे करने का प्रयास करने लगा जो संदिग्ध प्रतीत होने पर मुस्तैदी से खड़े पुलिस जवानों द्वारा घेराबंदी कर बुलेरो गाड़ी को रोक लिया गया। चेक करने पर गाड़ी में दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे हुए मिले जिनसे पूछताछ करने पर गाड़ी चालक ने अपना नाम जितेन्द्र रावत पुत्र ज्ञान सिंह रावत उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना बेलगढ़ा जिला ग्वालियर व चालक की बगल बाली सीट पर बैठे

व्यक्ति ने अपना नाम सोनू पुत्र जोगेन्द्र सिंह सिख उम्र 22 साल निवासी देवरीकला थाना बेलगडा जिला ग्वालियर का होना बताया।

पुलिस टीम द्वारा बुलेरो गाड़ी की तलाषी लेने पर पीछे डिग्गी में दो सफेद व हरे कलर के कट्टे मुंह बधे रखे हुये मिले, जिन्हे खोलकर चेक करने पर उनमें मादक पादर्थ गांजा भरा हुआ मिला। जिसकी तौल कराने पर उनका बजन कुल 57 किलो 600 ग्राम कीमती लगभग 06 लाख रूपये का होना पाया गया। पकड़े गये दोनों आरोपियों का यह कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत दण्डनीय होने से आरोपीगणों के कब्जे से 57.600 किलोग्राम गांजा तथा बुलेरो गाड़ी क्र0 यूपी84-जे-6973 को विधिवत जप्त किया गया। पकड़े गये दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना बेलगढ़ा में अप0क्र0- 47/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर दोनों तस्करों से अवैध गांजा के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार तस्करः जितेन्द्र पुत्र ज्ञान सिंह रावत उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम देवरी कला थाना बेलगढ़ा ग्वालियर।

सोनू पुत्र जोगेन्द्र सिंह सिख उम्र 22 साल निवासी देवरीकला थाना बेलगडा जिला ग्वालियर।

जप्त मशरूका– 57 किलो, 600 ग्राम अवैध गांजा कीमती लगभग 06 लाख रूपये एवं एक बुलेरो गाड़ी क्र0- यूपी84-जे-6973 को किया जप्त।

सराहनीय भूमिका– थाना प्रभारी बेलगढ़ा उनि0 महेन्द्र कुमार प्रजापति, प्र.आर0 रमेष सिंह, आर0 हरगोविंद, संदीप गुर्जर, धीरज राठौर, गौरव जाट की सराहनीय भूमिका रही।

पूर्णता की ओर अग्रसर कार्यों की सीसी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र जारी कराएं

श्रमिक नियोजन बढ़ाकर विकास कार्यों को दें गति, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन के तहत जिले की 314 ग्राम पंचायतों में रोजगार सृजन एवं आजीविका उन्नयन के कार्य प्रगतिरत

मुरैना, जीएनएस। विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) ''वीबी-जी-राम'' के अंतर्गत जिले में ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ विकास कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। जिले की 478 ग्राम पंचायतों में से 314 ग्राम पंचायतों में विभिन्न रोजगारपरक एवं विकास कार्य प्रगतिरत हैं। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने श्रमिक नियोजन बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में न्यूनतम 10 श्रमिकों का नियोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह निर्देश सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, ईआरईएस जनपद सीईओ एवं डिप्टी कलेक्टर श्री उमेश अवस्थी, विभिन्न जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मनरेगा, आवास एवं अन्य शाखाओं के प्रभारी अधिकारी, सहायक यंत्री तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विकासखंडों में श्रमिक नियोजन एवं रोजगारपरक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में रोजगार सृजन की पर्याप्त संभावनाएं उपलब्ध हैं, जिनका प्रभावी उपयोग करते हुए अधिक से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कार्यरत ग्राम पंचायतों की संख्या में वृद्धि कर विकास कार्यों को और गति देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अपने-अपने

क्षेत्रों में रोजगारमूलक एवं निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर श्रमिक नियोजन बढ़ाया जाए तथा स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध रोजगार अवसरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र ग्रामीणजन योजनाओं से जुड़ सकें।

कलेक्टर ने कहा कि रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्यों में जनपद स्तर पर सतत समीक्षा और प्रभावी समन्वय बनाए रखा जाए, जिससे मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित कार्यों की नियमित निगरानी की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर श्री जांगिड़ ने निर्देश दिए कि पूर्णता प्रमाण-पत्र (सीसी) जारी करने से पूर्व संबंधित कार्यों का भौतिक सत्यापन एवं तकनीकी परीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी निर्धारित प्रक्रियाओं एवं गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए प्रमाण-पत्र जारी करें, जिससे कार्यों की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों एवं सहायक यंत्रियों को संयुक्त रूप से बैठक आयोजित कर पूर्णता की ओर अग्रसर एवं लंबित कार्यों की समीक्षा करने तथा पात्र कार्यों के पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से जारी कराने के निर्देश दिए।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ओडीएफ प्लस की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत कैलारस, पहाड़गढ़ एवं सबलगढ़ क्षेत्र में स्वीकृत आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से सहरिया बाहुल्य क्षेत्रों में निर्माणाधीन आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने पर जोर दिया गया। समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की गई। विभिन्न मदों से स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। साथ ही प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।

अवैध रूप से संचालित स्कूली वाहनों पर कार्यवाही

श्योपुर, जीएनएस। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जिला परिवहन अधिकारी श्री जगदीश सिंह भील द्वारा जिले में अवैध रूप से संचालित स्कूली वाहनों के विरुद्ध चेकिंग कार्यवाही की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में गत शनिवार को एसपीएस स्कूल की दो बस बिना फिटनेस पाए जाने पर उनके विरुद्ध 10 हजार रूपये की चालानी कार्रवाई की गई तथा खतौली रोड स्थित चेकिंग कार्रवाई के दौरान टाटा मैजिक एमपी 31 टीए 0176 के चालक से दस्तावेज मांगे गए तो उनके द्वारा

कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण जप्ती की कार्रवाई के दौरान वाहन चालक द्वारा दस्तावेज एवं लाइसेंस दिखाने का बहाना बनाकर वाहन को भगा कर ले गया। ऑनलाइन रिकॉर्ड अनुसार उक्त वाहन स्वामी के विरुद्ध अवैध रूप से वाहन संचालन करने पर नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूली वाहनों के अवैध संचालन पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने अभिभावको से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों को ऐसे स्कूली वाहनों से स्कूल न भेजे जो बगैर वैद्य दस्तावेजों और फिटनेस के संचालित हो रहे है।

रचनात्मक प्रतिभा एवं लेखन कौशल को प्रोत्साहित करने गतिविधि का आयोजन

श्योपुर, जीएनएस। शासकीय श्री हजारेश्वर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्योपुर में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा एवं लेखन कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पत्रिका निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री यश जैन ने बताया कि विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता, लेखन एवं कला की अभिव्यक्ति की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से विद्यालय के शिक्षक श्री मनोज कुमार एवं श्री अमित मरैया के मार्गदर्शन में पत्रिका का निर्माण विद्यार्थियों द्वारा किया गया। पत्रिका में विद्यार्थियों की रचनाओं, विचारों एवं सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को स्थापना दिया गया है। इस पत्रिका में बच्चों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी का साक्षात्कार भी आलेखित किया गया है। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रश्मि शर्मा ने बताया कि इस प्रकार की पहल बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करती है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई यह हस्तलिखित पत्रिका विद्यालय की रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को

10.20 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

श्योपुर। श्योपुर जिले में 17 अगस्त को 10.20 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार दिनांक 17 अगस्त को बडौदा में 27, कराहल में 14, विजयपुर में 5, वीरपुर में 5 मिली मीटर एवं श्योपुर में शून्य मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष दिनांक 01 जून 2026 से अभी तक जिले में कुल 447.74 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक 1090.94 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की औसत की वर्षा 822 मिली मीटर है।

कांचमिल नवीन पार्क में शिवपुराण कथा का पांचवां दिन, पं. मुद्गल ने कहा- पहले मन को बनाएं स्मार्ट, तभी शहर और राष्ट्र बनेगा स्मार्ट

सत्कर्म से बदल जाता है प्रारब्ध : पं. मुद्गल

ग्वालियर जीएनएस

पूर्व जन्मों के कर्मों का फल मनुष्य को इस जन्म में भोगना पड़ता है, लेकिन भगवान का स्मरण करते हुए सत्कर्म किए जाएं तो प्रारब्ध भी बदलने लगता है। यह विचार पं. भूपेंद्र मुद्गल ने कांचमिल नवीन पार्क में आयोजित श्रीशिवपुराण कथा के पांचवें दिन मंगलवार को व्यक्त किए। कथा से पहले श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया।

पं. मुद्गल ने कहा कि लालच व्यक्ति के विवेक पर पर्दा डाल देता है। इसके प्रभाव में लालची व्यक्ति अपने ही लोगों का नुकसान करने से भी पीछे नहीं हटता। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि जब भी शिव मंदिर जाएं, तीन बार महादेव का स्मरण करें। भगवान शिव भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं।

पहले खुद स्मार्ट हों, तब शहर बनेगा स्मार्ट : उन्होंने जल संरक्षण और स्वच्छता पर भी जोर दिया। कहा कि कुएं, बावड़ी और नदियां हमें जल उपलब्ध कराती हैं, इसलिए इन्हें गंदा नहीं करना चाहिए। मंदिरों में भी स्वच्छता का ध्यान रखें। शिवलिंग पर केवल जल चढ़ाएं और अन्य सामग्री अर्पित करें, ताकि स्वच्छता बनी रहे।

उन्होंने कहा कि पहले अपने मन को स्मार्ट बनाना होगा, तभी शहर, राज्य और राष्ट्र स्मार्ट बनेंगे। मन की शुद्धि से नकारात्मकता समाप्त होती है और सकारात्मक विचारों का विकास होता है।

कथा सुनकर जीवन में उतारें संदेश : पं. मुद्गल ने कहा कि कथा पंडाल में केवल समय बिताने या प्रसाद लेने के लिए नहीं आना चाहिए। कथा के प्रसंगों को ध्यानपूर्वक सुनकर उनका मनन करना और जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को भी कथा के प्रसंग सुनाने की अपील की, ताकि उनमें संस्कार विकसित हों। उन्होंने गाय को पहली रोटी खिलाने और उसे झूठा भोजन नहीं देने की बात कही। साथ ही रोगों से मुक्ति के लिए भैरोंनाथ की उपासना का उल्लेख किया।

इस अवसर पर पं. धर्मेंद्र मुद्गल, बरखा उमेश सिंह राजावत, संगीता सतेंद्र सिंह तोमर, सुरेश चंद त्यागी, राधेश्याम तोमर, आंसू तोमर, सूरज, देवराज, धर्मवीर राजपूत, गीता दीदी, सोनकली तोमर, बरखा राजावत, रूबी, अनीता, शोभा राम गुर्जर, वीनू खंडेलवाल, भजन गायक आशीष शर्मा, रामभोग सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बदला लेने के लिए रची थी साजिश, तीन वाहन हुए थे क्षतिग्रस्त

पुरानी रंजिश में वाहनों में आग लगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर जीएनएस

जनकगंज थाना पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते वाहनों में आगजनी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने विवाद का बदला लेने के लिए साजिश रचकर तीन वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। आगजनी में करीब 6.40 लाख रुपए का नुकसान हुआ था।

पुलिस के अनुसार 14 अगस्त की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच गोलपहाड़िया निवासी राजू कुशवाह की बलेनो कार और बजरंगी उर्फ हनीफ खान की स्विफ्ट डिजायर कार मेहंदी वाले सैयद, गोलपहाड़िया क्षेत्र में खड़ी थीं। अज्ञात व्यक्ति ने दोनों वाहनों में आग लगा दी। आग की चपेट में आने से पास खड़ी वसीम खान की हुंडई आई-10 कार भी क्षतिग्रस्त हो गई थी।

घटना के बाद फरियादी ने पूर्व विवाद के चलते गोलू उर्फ राजू कुशवाह और उसके साथियों पर संदेह जताया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी से मिला सुराग, आरोपी गिरफ्तार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम/अपराध श्रीमती सुमन गुर्जर के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित की गई। सीएसपी लश्कर श्रीमती किरण अहिरवार के निर्देशन और थाना प्रभारी जनकगंज निरीक्षक अतुल सिंह सोलंकी के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध भूपेंद्र उर्फ गोलू कुशवाह निवासी मेहंदी वाला सैयद की पहचान की। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 18 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बजरंगी से विवाद का बदला लेने बनाई योजना : पूछताछ में आरोपी ने बताया कि करीब 15 दिन पहले उसका बजरंगी उर्फ हनीफ खान से विवाद हुआ था। इसी विवाद का बदला लेने के लिए उसने वाहनों में आग लगाने की योजना बनाई। आरोपी को पता था कि हनीफ और राजू कुशवाह के परिवार के बीच विवाद चल रहा है। उसने सोचा कि आगजनी के बाद शक राजू कुशवाह के परिवार पर जाएगा और उसे कोई नुकसान नहीं होगा।

पंजाबी परिषद समिति ने फहराया तिरंगा, जरूरतमंद बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

ग्वालियर जीएनएस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंजाबी परिषद समिति ग्वालियर द्वारा कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समिति पदाधिकारियों और सदस्यों ने तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान किया और देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीरों को याद किया।

कार्यक्रम के बाद समिति की ओर से जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री और स्टेशनरी का वितरण किया गया। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। समिति सदस्यों ने कहा कि बच्चों की शिक्षा में सहयोग करना समाज की जिम्मेदारी है।

पंजाबी परिषद समिति पिछले 32 वर्षों से स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन निरंतर करती आ रही है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोहर लाल भल्ला, राहुल सपरा, दिनेश भल्ला सहित समिति के संरक्षक कुलबीर भारद्वाज, अध्यक्ष अशोक मरवाह, जल सेवा संयोजिका प्रमिला मारवाह, बीडी वर्मा, आत्म प्रकाश मोंगिया, अनीता कपूर, अनिल कपूर, आलोक चिचिड़ा, संध्या चिचड़ा, राधा ठकराल, श्याम सचदेवा, सुधांशु भारद्वाज, उमंग भारद्वाज, सुनीता शर्मा सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं जानकारी मीडिया प्रभारी राजू पंडित ने दी।

शांति समिति की बैठक कल

ग्वालियर जीएनएस। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी सहित अगस्त और सितंबर माह में आयोजित होने वाले विभिन्न त्योहारों को देखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 20 अगस्त को आयोजित की जाएगी। बैठक कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में अपराह्न 4 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में होगी।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 300 से अधिक नागरिकों ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

ग्वालियर जीएनएस

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लायंस क्लब ग्वालियर सेंट्रल द्वारा फेनवे ग्लोबल सिटी, रायरू-डबरा बायपास रोड पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। स्वर्गीय एमजेएफ लॉयन हरिशंकर गोयल की स्मृति में आयोजित इस शिविर में 300 से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया।

स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन और स्वच्छता के मानकों की दी जा रही जानकारी

बच्चों को सिखाया स्वच्छता का पाठ, अब परिजनों को देंगे ट्रेनिंग

ग्वालियर जीएनएस

स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विद्यालयों में स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को शहर के करीब 10 विद्यालयों में स्वच्छता कार्यक्रम और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व, कचरा प्रबंधन और गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण की जानकारी दी गई।

बच्चे बनेंगे स्वच्छता के संदेशवाहक : नगर निगम द्वारा विद्यार्थियों को जागरूक करने के साथ ही उन्हें अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे जब स्वयं स्वच्छता की आदतों को अपनाएंगे तो वे अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

विद्यालयों में आयोजित की जा रहीं विशेष कार्यशालाएं : विद्यालयों को स्वच्छता मानकों और कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को स्वच्छ परिसर बनाए रखने के उपाय बताए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में जीडी गोयनका स्कूल, ग्वालियर हायर सेकेंडरी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कार्मेल कॉन्वेंट, प्रगति विद्या पीठ सहित कई विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रबंधन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

13 अगस्त से 1 सितंबर तक चलेगी प्रतियोगिता : स्वच्छ विद्यालय प्रतियोगिता 13 अगस्त से शुरू होकर 1 सितंबर तक चलेगी। इसमें विद्यालयों को स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के आधार पर अंक दिए जाएंगे।

पांच गतिविधियों के लिए निर्धारित हैं 20-20 अंक

स्वच्छ टॉयलेट परिसर- शौचालयों की स्वच्छता एवं बेहतर रखरखाव।

विद्यालय कम्पोस्टिंग- परिसर में गीले कचरे से खाद तैयार करना।

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी- कचरा प्रबंधन केंद्र का उचित संचालन।

होम कम्पोस्टिंग- विद्यार्थियों द्वारा घर पर जैविक खाद तैयार करना।

कचरा पृथक्करण- गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना।

नगर निगम की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता की आदत विकसित करना है, ताकि वे अपने विद्यालय के साथ-साथ घर और आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखने में भागीदारी निभा सकें।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।